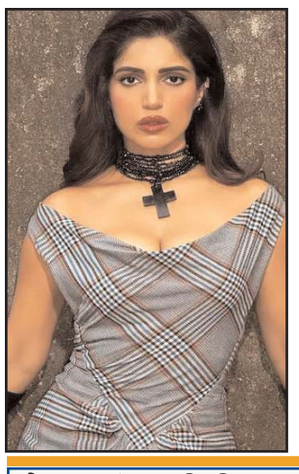

दैनिक

नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-30 अंक-290 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 02 जनवरी 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

नए साल का जश्न मना रहे लोगों को ट्रक से रौंदा और फायरिंग की, 10 की मौत, 30 घायल

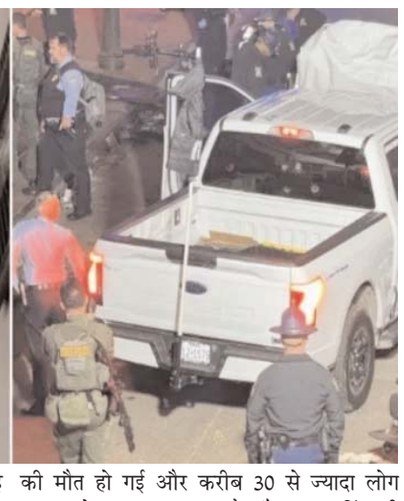

वाशिंगटन,(ए)। नए साल का जश्न मना रहे लोगों पर अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स में एक शख्स ने पिकअप ट्रक चढ़ा दिया, जिससे 10 लोगों की मौत हो गई और करीब 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस घटना के दौरान फायरिंग भी की गई है। घटना 1 जनवरी को बॉर्बन स्ट्रीट पर हुई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, कि तेज रफ्तार एक ट्रक ने भीड़ में घुस गया, और इसके बाद हमलावर ने वाहन से उतरकर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की। हमलावर की गिरफ्तारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। खबरों में बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना नहीं थी, बल्कि जानबूझकर नया साल मना रहे लोगों पर हमला किया गया प्रतीत हो रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस घटना में घायल हुए लोगों को न्यू ऑरलियन्स के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रत्येक एंगल से घटना की जांच कर रही है। यह घटना नए साल के जश्न को मातम में बदलने वाली साबित हुई है। यहां बताते चलें कि इससे पहले, 25 दिसंबर को जर्मनी के मैगडेबर्ग में भी ऐसा ही हमला हुआ था, जिसमें 5 लोगों की मौत हुई थी।

बर्थडे पार्टी से लौटते समय भीषण सड़क हादसा, दो युवकों की दर्दनाक मौत

जालंधर(आरएनएस)। बर्थडे पार्टी से लौटते समय एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब युवकों की कार डिवाइडर से टकराने के बाद दूसरी तरफ से आ रही एक कार से भिड़ गई।

मृतकों में पहला युवक पंकज, जो फिल्लौर के मेहसोमपुर गांव का निवासी था, और दूसरा युवक दीपक बग्गा, जो जालंधर का रहने वाला एक टैक्सी ड्राइवर था। बताया जा रहा है कि दीपक लुधियाना से जालंधर की ओर लौट रहा था।

हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पचमढ़ी में नागरिकों से भी भेंट की

भोपाल में 6.3 डिग्री लुढ़का पारा विजिबिलिटी रह गई 800 मीटर

भोपाल,(आरएनएस)। नए साल पर शहर सहित पूरे मप्र का मौसम बदलने वाला है। इसकी शुरुआत साल के पहले दिन ही देखने को मिल गई है।

भोपाल सहित अधिकतर जिलों में तापमान में गिरावट देखी गई। कई जिलों में दिन भर धूप छाई रही ओर ठिठुरन रही। भोपाल में दिन का अधिकतम तापमान 19.9 डिग्री रहा, जो दोपहर तीन बजे रिकार्ड किया गया। इसके बाद रात साढ़े आठ बजे पारा लुढ़ककर 13.6 डिग्री पर आ गया। यानि क साढ़े पांच घंटे में 6.3 डिग्री की गिरावट पारे में दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आने वलो दिनों में भोपाल सहित मप्र के तापमान में कहीं गिरावट होगी, जिससे कोहरे और ठंड का असर तेज होगा। खास करके उत्तर से आ रही बर्फीली हवाओं से अगले दो-तीन दिनों में कोल्डवेव और कोल्ड डे की स्थिति बनने का अनुमान है।

साल के पहले दिन प्रभू श्रीराम के दर्शन करने के लिए अयोध्या में लगा भक्तों का तांता

अयोध्या(ए)। बीती रात नए साल का जश्न मना और दूसरे दिन साल की पहली सुबह भगवान श्रीराम के दर्शनों के लिए अयोध्या में भक्तों का तांता लग गया। नए साल की शुरुआत के साथ ही, देश भर के मंदिरों और घाटों पर बड़ी तादाद में श्रद्धालु उमड़ पड़े और इस मौके को आध्यात्मिक उत्साह और खुशी के साथ सेलिब्रेट कर रहे हैं। शंखों की मधुर आवाज, पूजा की घंटियों की लयबद्ध झंकार और मंत्रों से वातावरण गूंज उठा, जिससे माहौल बिल्कुल जश्न वाला बन चुका है। कई श्रद्धालु सुबह-सुबह ही एकत्र हुए, कई लोगों ने ठंड के बावजूद पूजा-अर्चना की और आने वाले साल में समृद्धि, खुशी और अच्छे स्वास्थ्य के लिए आशीर्वाद मांगा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में साल 2025 के पहले दिन बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना करने के लिए श्री राम जन्मभूमि मंदिर आए।

उज्जैन,मथुरा और स्वर्ण मंदिर में भी भीड़

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में 2025 की पहली सुबह की शुरुआत एक विशेष आरती के साथ हुई, जिसमें बड़ी तादाद में श्रद्धालु शामिल हुए। मथुरा के बांके बिहारी मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां लोग देवी दुर्गा का आशीर्वाद लेने के लिए एकत्र हुए। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में आधी रात से ही श्रद्धालुओं की असाधारण भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने प्रार्थना की, पवित्र मंदिर में मत्था टेका और पवित्र कुंड में स्नान किया। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में नदी के किनारे विशेष गंगा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश से श्रद्धालु शामिल हुए और गंगा किनारे इस मनमोहक अनुष्ठान को देखने के लिए एकत्र हुए। 2025 के पहले दिन वाराणसी के अस्सी घाट पर गंगा आरती का आयोजन हो रहा है।

जीआरपी की गिरफ्त में चार शातिर, लाखों के फोन, गहने और लैपटॉप बरामद

गाजियाबाद (आरएनएस)। गाजियाबाद की जीआरपी पुलिस ने चार ऐसे शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो गाजियाबाद से दिल्ली की तरफ जाने वाली ट्रेनों से मोबाइल, गहने, लैपटॉप समेत अन्य कीमती सामान छीनकर फरार हो जाते थे। उनके पास से पुलिस ने लाखों रुपए के मोबाइल, गहने और लैपटॉप बरामद किए हैं। अब तक यह कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।पुलिस के मुताबिक पकड़े गए सभी आरोपी नशे के आदी हैं। सभी नशे की लत के लिए वारदातों को अंजाम देते थे। जीआरपी पुलिस के मुताबिक गाजियाबाद में चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी 20 से 24 साल की उम्र के हैं। जीआरपी पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ भी की। गैंग के लीडर शिवम ने बताया कि उनका गिरोह ट्रेन में चढ़ जाता था। जब ट्रेन की रफ्तार धीमी होती थी तो शातिर सामान चुरा लेते थे और नीचे उतर जाते थे।

देश को कांग्रेस और राहुल गांधी की जरूरत, आप ड्रामा पार्टी : बृजभूषण सिंह

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दिल्ली में स्मारक बनाने से जुड़े कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार किया। पूर्व सांसद ने आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना पर धार्मिक स्थल से जुड़े फैसले लेने के आरोप पर भी तंज कसा। पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की दिल्ली में समाधि बनाने में अड़ंगा डाले जाने के कांग्रेस के आरोपों पर कहा कि ये बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है। भगवान करें कि कांग्रेस और राहुल गांधी 2025 में सीरियस हो जाएं। देश को उनकी जरूरत है। प्रधानमंत्री का वचन ही मंजूरी है, गृह मंत्री ने भी कह दिया और मंजूरी भी प्रदान कर दी। जब कह दिया तो कह दिया। इसके बाद इन लोगों को राजनीति नहीं करनी चाहिए।कांग्रेस और राहुल गांधी पर जुबानी हमला करते हुए पूर्व सांसद ने कहा कि लगातार, राहुल गांधी और कांग्रेस ऐसे मुद्दे उठा रही है, जिससे जनता का कोई सरोकार नहीं है। इनको जनता से जुड़े मुद्दे उठाने चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस अपमान का आरोप लगा रही है। मेरा सवाल है कि क्या अपमान कर रही है? आपने पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव का अपमान नहीं किया। नरसिम्हा राव की डेथ बॉडी कांग्रेस कार्यालय में नहीं ले जाने दिया। क्या आपको याद नहीं है?

नए साल पर केंद्र ने दिया किसानों को तोहफा, खाद पर सब्सिडी बढ़ी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। नए साल में मोदी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक किसानों के नाम रही है। साल के पहले दिन बुधवार को हुई बैठक में डीएपी फर्टिलाइजर के लिए स्पेशल पैकेज को मंजूरी दी गई। इसके तहत फर्टिलाइजर बनाने वाली कंपनियों को सरकार की ओर से सब्सिडी भी दी जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा यह सब्सिडी (स्पेशल पैकेज) 31 दिसंबर 2025 तक दी गई है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि किसानों को डीएपी का 50 किलो का बैग 1,350 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा। यह वन टाइम पैकेज काफी महत्वपूर्ण है। पड़ोस के देशों में डीएपी का 50 किलो का बैग तीन हजार रुपये से ज्यादा में मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में भले ही कैसे भी स्थिति आ जाए हमें अपने किसानों को सुरक्षित करना है। उनके ऊपर बोझ नहीं डालना है।उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की है कि डीएपी के नाम पर कुछ लोग किसानों को ठगने का प्रयास करेंगे। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि अगर कोई ऐसा करते हैं तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया कि इस पैकेज पर लगभग 3,850 करोड़ रुपये की लागत होगी। साल 2014 से लेकर अब तक कोविड-19 का वह दौर भी आया जब स्थिति काफी खराब थी। लेकिन, हमारी सरकार और पीएम मोदी ने सुनिश्चित किया है कि किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव का खामियाजा न उठाना पड़े। 2014-24 तक उर्वरक सब्सिडी 11.9 लाख करोड़ रुपये थी जो 2004-14 के दौरान दी गई सब्सिडी से दोगुनी से भी अधिक है। कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दी।

नए साल पर शिमला पहुंचे पर्यटक, बर्फबारी का कर रहे इंतजार

शिमला (आरएनएस)। नए साल से पहले हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है। शिमला में पर्यटक नए साल के बीच बर्फबारी का आनंद लेने भी पहुंचते हैं। इस बार बर्फबारी में देरी की वजह से पर्यटक इंतजार कर रहे हैं। इन दिनों यहां होटल 90 फीसदी तक भरे हैं। अनुमान के मुताबिक, अगर पर्यटकों का तांता ऐसे ही लगा रहा तो 31 दिसंबर तक होटल पूरी तरह भर जाएंगे। नए साल की छुट्टियां मनाने के लिए पर्यटक शिमला के प्रमुख आकर्षण स्थलों पर जा रहे हैं और बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं। होटल और रिसॉर्ट्स में रुकने के लिए बड़ी संख्या में बुकिंग हो चुकी है। शिमला के वातावरण में खुशी और उत्साह का माहौल है, और पर्यटक इस समय यहां के सुंदर दृश्य और ताजगी का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं।

दिल्ली के दिलशाद गार्डन के रहने वाले मोहम्मद साद ने बताया, जब हम यहां पहुंचे थे, तो बर्फबारी हो रही थी और न्यू ईयर मनाने के लिए हम शिमला आए थे। हमने क्रिसमस का जश्न यहां नहीं मनाया, लेकिन न्यू ईयर इंजॉय करने के लिए यहां आए हैं। अभी माल रोड पर बहुत भीड़ है, और लोग वहां घूमने जा रहे हैं।

आम आदमी पर पड़ रही चौतरफा टैक्स और महंगाई की मार : हुड्डा

चंडीगढ़ (आरएनएस)। सड़क निर्माण की लागत 2747 करोड़ रुपए और वसूली 4489 करोड रुपए, फिर भी टोल को बंद नहीं किया जा रहा है। इस तरह हरियाणा की जनता से टोल के नाम पर हजारों करोड़ रुपए की लूट हो रही है। घग्गर टोल प्लाजा का उदाहरण देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने टोल टैक्स की लूट का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि आरटीआई के जरिए सामने आई ताजा जानकारी से स्पष्ट हो गया है कि बीजेपी सरकार से मिलीभगत कर कंपनियां टोल टैक्स के नाम पर लागत के मुकाबले कई गुना ज्यादा मुनाफा कूट रही हैं। आम जनता पर टैक्स और महंगाई की मार पड़ती जा रही है और सरकार सबकुछ देखकर भी अनदेखा कर रही है।

कंपकंपाने वाली ठंड में बीवी-बच्चों सहित धरने पर बैठे संविदा कर्मचारी

भोपाल(आरएनएस)। संविदा नीति में की गई अनुशंसा के अनुसार वेतनवृद्धि की मांग कर रहे कुक्कुट विकास निगम के संविदा कर्मचारी बुधवार को निगम मुख्यालय के सामने बीवी-बच्चों सहित धरने पर बैठ गए। कंपकंपाने वाली सर्दी में सुबह 10 बजे धरने पर बैठे कर्मचारी शाम 5 बजे तक डटे रहे। इस बीच निगम के डायरेक्टर राजू रावत ने कर्मचारियों को बताया कि उनकी वेतनवृद्धि की फाइल शासन को भेजी गई है, जल्द ही वेतन बढ़ जाएगा, पर कर्मचारी इस आश्वासन से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने तय किया है कि जब तक वेतनवृद्धि के आदेश जारी नहीं हो जाते हैं, ये धरना जारी रहेगा। वे ऑफिस टाइम में रोज मुख्यालय के सामने धरना देंगे। धरने में भोपाल सहित प्रदेशभर के कर्मचारी शामिल हुए हैं।पहले दिन 50 परिवार धरने पर बैठे हैं। धरने पर बैठे भोपाल के कर्मचारी दीपक शर्मा का कहना है कि निगम के संचालक मंडल की 19 जुलाई 2024 को आयोजित बैठक में संविदा नीति लागू कर वेतनवृद्धि करने का निर्णय लिया है। बैठक की अध्यक्षता विभाग के प्रमुख सचिव ने की थी। इसके बाद भी डेढ़ माह से वेतनवृद्धि की फाइल मंत्रालय में घूम रही है। वे कहते हैं कि महंगाई के इस दौर में 10-15 हजार रुपए के वेतन में क्या होता है।मध्य प्रदेश संविदा अधिकारी-कर्मचारी महासंघ के बैनरतले किए जा रहे इस धरना-प्रदर्शन में मप्र अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा सहित अन्य कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए व आंदोलनकारियों को समर्थन दिया। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने कहा कि कर्मचारियों को साल 2018 की नीति का भी लाभ नहीं मिला है। जैसे-तैसे साल 2023 की नीति का संचालक मंडल ने अनुमोदन किया, तो आदेश जारी नहीं हुए।

साल के पहले दिन भोजपुर मंदिर में 20 हजार श्रद्धालु पहुंचे

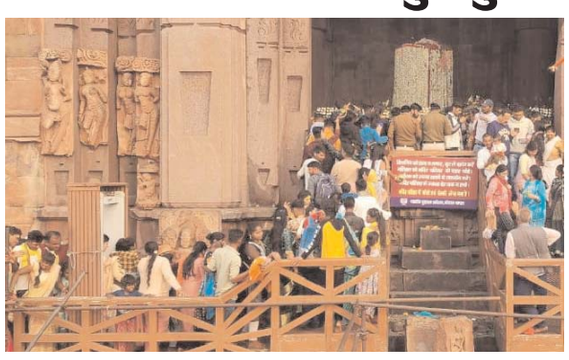

भोपाल (आरएनएस)। 2024 की आखिरी रात देर तक लोग जश्न में डूबे रहे। साल के पहले दिन यानी आज भी ऐसा ही माहौल है। राजधानी भोपाल में पिकनिक स्पॉट हों या धार्मिक स्थल, सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ रही है।सुबह से ही लोग धार्मिक स्थलों पर पहुंचे। इससे बिड़ला मंदिर, चूना भट्टी चौराहा स्थित काली मंदिर में भीड़ रही। वहीं, भोपाल से करीब 29 किमी दूर भाजपुर में सुबह से ही श्रद्धालु पहुंचे। दोपहर में भीड़ बढ़ गई है। यहां शाम तक श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंचेंगे।दोपहर तक भोजपुर स्थित शिव मंदिर में 20 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। वन विहार में भी सुबह से पर्यटकों की आवाजाही जारी है। बोट क्लब और सैर सपाटा में भी भीड़ उमड़ी हुई है, जो शाम तक और बढ़ने की संभावना है। अरेरा हिल्स पहाड़ी स्थित शौर्य स्मारक, सैर सपाटा, म्यूजियम में भी हजारों लोग पहुंच रहे हैं। वन विहार, बोट क्लब, और लेक व्यू में लोग परिवार समेत पहुंचे हैं।

:: अंतिम यात्रा ::

शोक संदेश

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरे पिता जी श्री नरेन्द्र कुमार सक्सेना(पूर्व महा प्रबंधक बी.एच.ई.एल) का आकास्मिक निधन 31/12/2024 को हो गया है जिनकी अंतिम यात्रा दिनांक 02/01/2025 को समय 12 बजे निज निवास स्थान देवदार अपार्टमेंट D- 2 फर्स्ट फ्लोर ग्रीन मेडोस अरेरा हिल्स, भोपाल से भदभदा विश्राम घाट के लिए प्रस्थान करेगी।

शोकाकुल :- पत्नी मंजुल सक्सेना (NITTTR)
पुत्र:- विवेक सक्सेना USA
पुत्र:- नमित सक्सेना USA
भाई:- रवि सक्सेना USA
भतीजा:- विनीत सक्सेना

निज निवास स्थान:- देवदार अपार्टमेंट D- 2 फर्स्ट फ्लोर ग्रीन मेडोस अरेरा हिल्स, भोपाल मो.9893320988

विविध-समाचार

चार जनवरी से नया सिस्टम बन रहा

भोपाल, (आरएनएस)। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार चार जनवरी स एक नया पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है। जिसका असर पहले हिमाचल और बर्फीले क्षेत्रों में होगा। उसके दो दिन बाद ग्वालियर से लेकर भोपाल तक तेज ठंड पड़ेगी। इन जिलों में कोल्ड डे की चेतावनी - मंदसौर, नीमच, जबलपुर, पन्ना, रायसेन, राजगढ़, बीना, छतरपुर और टीकमगढ़ शामिल हैं।

जनवरी में 20 से 22 दिन पड़ेगी तेज ठंड

भोपाल,(आरएनएस)। मौसम विभाग के अनुसार जनवरी में 20 से 22 दिन तक शीतलहर और कोल्ड डे का असर रह सकता है। शुरुआती दो दिन ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के जिलों में शीतलहर का असर देखने को मिलेगा। इसके बाद पूरे प्रदेश में असर पड़ जाएगा।

प्रदेश के इन जिलों में कोहरे की संभावना

भोपाल,(आरएनएस)। एक जनवरी 2025 की शुरुआत तेज ठंड और कोल्ड वेब के साथ होगी। नए साल पर मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, शहडोल, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर जिलों में घने कोहरे की संभावना जताई है। प्रदेश के ग्वालियर संभाग के साथ-साथ उज्जैन में सबसे ज्यादा ठंड पडने और कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। वहीं जबलपुर, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल और सागर में भी कोहरा छाया रहेगा। अनुमान है कि जनवरी में 20 से 22 दिन तक शीतलहर ओर कोल्ड डे का असर देखने को मिल सकता है।

ननि को मिल जाएगा मार्च तक नया मुख्यालय भवन

भोपाल, (आरएनएस)। तुलसी नगर में बन रहा निगम का नया मुख्यालय ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर आधारित है। इसमें महिलाओं के लिए फीडिंग रूम और अलग से शो-टॉयलेट भी होगा। वर्तमान में मुख्यालय का 90 फीसदी काम पूरा हो गया है। बचा हुआ काम मार्च 2025 तक पूरा करने का टारगेट है। इसकी लागत 40 करोड़ रुपये है। इस भवन को सुविधायुक्त और ईको फ्रेंडल ी बनाया जा रहा है। इसकी खासियत यह है कि इसमें कम से कम बिजली का उपयोग किया जाएगा। यहां अधिकारियों से लेकर भवन के गलियारों को कुदरती रोशन किया जाएगा।

निशातपुरा स्टेशन तैयार, रेलवे बोर्ड की हरी झंडी का इंतजार

भोपाल,(आरएनएस)। भोपाल का चौथा रेलवे स्टेशन निशातपुरा बनकर तैयार है। यहां सभी तरह के काम कंपलीट हो चुके हैं। प्लेटफार्म का शेड बनकर तैयार है, यहां दो लिफ्ट लगाई जा चुकी हैं। पार्किंग की व्यवस्था भी हो चुकी है। नल लगाए गए हैं। स्टेशन की खास बात यह है कि यहां हरियाली बनाए रखने का खास ध्यान रखा गया है। प्लेटफार्म के आसपास प्लांटेशन किया गया है। प्लेटफार्म पर टिकट विंडो बन चुकी है। प्लेटफार्म के अलावा एसएंडटी विभाग के कम्युनिकेशन सिस्टम के कार्य भी पूरे किए जा चुके हैं। 2025 में इसका शुभारंभ किया जाएगा। इसको लेकर सांसद आलोक शर्मा ने रेल मंत्री को पत्र भी लिखा है। इस स्टेशन के शुरु होने के बाद बंगाल, गुजरात, मम्मू व दिल्ली जाने वाली कई ट्रेनों को हॉल्ट मिलेगा। हरी झंडी का इंतजार - पिछले पांच माह से इसके उद्घाटन का इंतजार हो रहा है। रेलवे का कहना है कि निशातपुरा स्टेशन बनकर तैयार है, बस हरी झंडी मिलने का इंतजार है।

फार्मेसी कोर्सेस की स्वीकृति के लिए 15 तक कर सकेंगे आवेदन

भोपाल,(आरएनएस)। फार्मेसी काउंसलिंग ऑफइंडिया (पीसीआई) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए फार्मेसी कोर्सेस को स्वीकृति देने की प्रक्रिया शुरु कर दी है। इसके लिए पोर्टल ओपन कर दिया गया है। सभी मौजूदा संस्थान 15 जनवरी 2025 तक पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया डीफार्मा, बीफार्मा, एमफार्मा और फार्मा-डी कोर्स की निरंतरता, नए पाठ्यक्रम शुरु करने, सीटों की वृद्धि या अन्य सेवाओं के लिए खुली है। संस्थान पीसीआई के पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ राज्य सरकार की एनओसी, संबद्धता सहमति पत्र और आवश्यक शुल्क जका करना अनिवार्य है।

ट्रेन तीन घंटे से ज्यादा लेट, तो टिकट कैंसिल कराने पर पूरा रिफंड मिलेगा

भोपाल,(आरएनएस)। इन दिनों दिल्ली, यूपी महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में कोहरे का खासा असर है। इसके चलते ट्रेनों को धीमी गति से चलाया जा रहा है। ऐसे में ट्रेनें पांच से आठ घंटे तक लेट हो रही हैं। सीयिर डीसीएम सौरभ कटारिया का कहना है कि ट्रेन तीन घंटे से अधिक लेट होने पर टिकट कैंसिल कराया जाता है तो किराया पूरा रिफ्ंड होगा। उनका कहना है कि भोपाल मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष हेल्प डेस्क और सहयोग काउंटर खोलने की तैयारी है। इन काउंटरों पर लेट होने वाली ट्रेनों की जानकारी दली जाएगी। इन काउंटरों पर वाणिज्य विभाग के कर्मचारी 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। कटारिया के अनुसारा कोहरे के कारण लेट ट्रेनों के यात्रियों को ज्यादा समय वेटिंग रूम में रुकने पर एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लिया जाएगा।

भाजपा सरकार का गजब खेल कोई मुख्यमंत्री अरबपति तो कोई करोड़पति देश में चंद्रबाबू सबसे अमीर?

भोपाल,(आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, जबकि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी मात्र 15 लाख रुपए की संपत्ति के साथ कम संपत्ति वाली सीएम हैं सोमवार को जारी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफोर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में यह आंकड़े सामने आए। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रत्येक मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपए है। जबकि भारत की प्रति व्यक्ति नेट नेशनल इनकम 2023-2024 के लिए लगभग 182854 रुपये रही। वहीं एक मुख्यमंत्री की औसत सेल्फ-इनकम 1364310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। रिपोर्ट के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। वहीं कर्नाटक के सिद्धारमैया 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ

भोपाल में विज्ञान महाकुंभ, 700 से अधिक युवा वैज्ञानिक होंगे शामिल

भोपाल, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ करेंगे। रवीन्द्र भवन भोपाल में 3 से 6 जनवरी 2025 के बीच 4 दिवसीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना और उन्हें विज्ञान, नवाचार और तकनीकी क्षेत्र में योगदान करने के लिए प्रेरित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह आयोजन बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और नवाचार के क्षेत्र में नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। मध्यप्रदेश को इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी करते हुए गर्व हो रहा है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में देश के 700 से अधिक विद्यार्थी, उनके शिक्षक और मेंटर भाग लेंगे। साथ ही बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों के छात्र भी शामिल होंगे।इस वर्ष राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समझना है। इस विषय को पांच उप-विषयों में विभाजित किया गया है, जिनमें पारिस्थितिकी तंत्र की समझ, पोषण व स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, आत्मनिर्भरता के लिए पारिस्थितिकी दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाएं शामिल हैं। राष्ट्रीय बाल विकास कांग्रेस एक राष्ट्रीय विज्ञान संचार कार्यक्रम है, जिसकी शुरूआत 1993 में हुई थी। यह भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद के द्वारा आयोजित किया जाता है। इसमें 10 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे भाग लेते है।

वराह मिहिर वेधशाला का ऑटोमेशन का उद्घाटन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला के ऑटोमेशन का उद्घाटन भी करेंगे। इससे विज्ञान और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को नई पहचान मिलेगी। ऑटोमेशन होने से आम नागरिक अब घर बैठे ही वेधशाला के टेलीस्कोप का उपयोग कर सकेंगे।

मुख्य गतिविधियां

राष्ट्रीय बाल विकास कांग्रेस में विभिन्न विषयों पर 20 से अधिक तकनीकी सत्र, कार्यशालाएं, प्रदर्शनी और विज्ञान आधारित खेलों का आयोजन होगा। इनमें चंद्रयान प्रदर्शनी, वॉटर रॉकेटरी, कागज से टोपी निर्माण, पर्यावरण साँप सीढ़ी का खेल, गणित सीढ़ी का खेल, जीव विज्ञान प्रदर्शनी, लीफ क्राफ्ट, पर्यावरण प्रदर्शनी, चीता प्रदर्शनी, लोक गीत द्वारा वैज्ञानिक जागरूकता, हाईड्रोपोनिक्स तकनीक रोबोटिक्स कार्यशाला, आकाशीय बिजली से बचाव पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों एवं छात्रों के मध्य फेस-टू-फेस संवाद भी होगा। प्रतिष्ठित वैज्ञानिक जैसे सोलर मैन डॉ. चेतन सोलंकी (IIT मुंबई), डॉ. नंद कुमार (एम्स, दिल्ली) और डॉ. चैतन्य पूरी (आइसर पुणे) छात्रों के साथ संवाद करेंगे।

स्थानीय विद्यार्थियों को भी मिलेगा मंच

भोपाल के विद्यार्थियों को इस आयोजन में शामिल होने का विशेष अवसर दिया गया है। स्थानीय विद्यालयों और महाविद्यालयों से भी वैज्ञानिक प्रोजेक्ट आमंत्रित किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों को देश-विदेश के प्रतिभागियों और वैज्ञानिकों से सीखने और संवाद करने का अवसर मिलेगा। भोपाल में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, शिक्षकों और वैज्ञानिक समुदाय के लिए विज्ञान के नए आयामों को समझने और साझा करने का मंच प्रदान करेगा।

रास्ते में सुरक्षा तैयारी पर प्रतिवेदन मिलने के बाद ही रवाना होगा जहरीला कचरा

भोपाल(आरएनएस)। यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को भोपाल से पीथमपुर रवानगी से पहले प्रशासन रास्ते की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। गैस राहत एवं पुनर्वास विभाग ने कचरा भेजने से पहले भोपाल और इंदौर संभाग के आयुक्त और आइजी के अलावा पांच जिलों भोपाल, सीहोर, देवास, इंदौर और धार के कलेक्टरों से एक प्रतिवेदन मांगा है। इसमें ग्रीन कोरीडोर की सुरक्षा तैयारी और कचरे के परिवहन पर उनके यहां कोई आपत्ति नहीं है का जिक्र किया जाना है। अभी तक भोपाल और धार के कलेक्टरों ने ही ऐसा प्रतिवेदन सौंपा है। उसमें कहा गया है कि कचरे के परिवहन के लिए तैयार हैं। शेष बचे प्रशासकों के प्रतिवेदन का इंतजार हो रहा है। सभी की ओर से प्रतिवेदन लेने के बाद ही कचरे के कंटेनरों को भोपाल से पीथमपुर के लिए रवाना किया जाएगा। वहीं संचालक गेस राहत एवं पुनर्वास विभाग, स्वतंत्र कुमार सिंह ने कहा कि कचरे को पूरी सुरक्षा के साथ कंटेनरों में भर रहे हैं। तीन जनवरी को हाईकोर्ट में शपथ पत्र देना है। इसलिए कचरे को भेजने की प्रक्रिया इससे पूरी कर लेंगे। जो लोग कचरा परिवहन का विरोध कर रहे हैं, उनके नाम पुलिस से मांगे गए हैं, जिन्हें हाई कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पचमढ़ी घूमने आई मेडिकल स्टूडेंट को हार्ट अटैक! अचानक मौत से दोस्त साइलेंट

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल से दोस्तों के साथ पचमढ़ी घूमने आई मेडिकल छात्रा की अचानक हुई मौत से साथी सदमे में हैं मेडिकल स्टूडेंट की सोमवार सुबह मौत की सूचना पाकर पुलिस भी जांच में जुट गई घटना पचमढ़ी स्थित गिरिराज होटल की है सोमवार सुबह मेडिकल की छात्रा की तबीयत बिगड़ी और उल्टियां करने लगी इसके बाद उसे उसके साथी हॉस्पिटल ले गए इलाज शुरू किया गया लेकिन कुछ ही देर बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

-दोस्तों के साथ पचमढ़ी की वादियों में घूमी

प्राथमिक जांच में छात्रा की मौत का कारण साइलेंट अटैक बताया जा रहा है। उसके शरीर में सिर्फ लिक्विड ही मिला उसने कुछ भोजन नहीं किया था पुलिस के मुताबिक भोपाल के रामाकृष्णा मेडिकल कॉलेज की छात्रा नित्या उम्र (21) पिता मदनलाल साहू की मौत की जांच जारी है। वह भोपाल के गैलेक्सी सिटी अवधपुरी की रहने वाली थी वह अपने दोस्त मुस्कान रंधावा, तनिष्क सक्सेना और पुष्पक गंधारे के साथ 27 दिसंबर को पचमढ़ी घूमने आई थी।

सभी दोस्त 28 एवं 29 दिसंबर को पचमढ़ी घूमने के बाद 30 दिसंबर सोमवार को वंदे भारत ट्रेन से भोपाल लौटने वाले थे पचमढ़ी थाना प्रभारी उमाशंकर यादव ने बताया नित्या साहू और उसके दोस्तों ने पचमढ़ी की गिरिराज होटल में रूम बुक किया था एक रूम में छात्रा अपनी फ्रेंड के साथ रुकी और दूसरे रूम में बॉयज रुके थे दो दिन तक सभी ने पचमढ़ी घूमा सोमवार सुबह उसकी तबियत बिगड़ गई।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने किया पदभार ग्रहण

भोपाल (आरएनएस)। आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग मनोज श्रीवास्वत ने 1 जनवरी को पदभार ग्रहण किया। श्री श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों की बैठक लेकर आयोग की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के चुनाव में किये जा रहे नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान आयोग के उप सचिव मनोज मालवीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हाई कोर्ट के आदेश पर कचरा भेजा जा रहा, जिसे आपत्ति है, कोर्ट जाएं : शाह

भोपाल(आरएनएस)। यूनियन कार्बाइड से 337 टन कचरे के पीथमपुर में निष्पादन का भाजपा में ही विरोध के बीच सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करेगी। गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के मंत्री विजय शाह का कहना है कि कचरा निष्पादन की कार्यवाही लंबे समय से अटकी है। उच्च न्यायालय के आदेश पर कचरा निष्पादन के लिए पीथमपुर भेजा जा रहा है। आदेश का पालन करते हुए ही विभागीय अधिकारी कार्य में जुटे हैं। इसमें केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम भी शामिल है। अब अगर किसी को इस प्रक्रिया पर आपत्ति दर्ज करानी है तो वह नयायालय के समक्ष जा सकता है। वहीं संचालक गेस राहत एवं पुनर्वास विभाग स्वतंत्र कुमार सिंह ने भी कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के परिपालन में कचरे का निष्पादन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत छात्रवृत्ति का भुगतान अब UNIPAY से होगा

अब तक 29 लाख से अधिक बालिकाओं को 813.64 करोड़ रूपये की छात्रवृत्ति स्वीकृत

भोपाल,(आरएनएस)। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि नव वर्ष से मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत पंजीकृत पात्र बालिकाओं को छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन राशि का भुगतान UNIPAY के माध्यम से किया जायेगा। यह व्यवस्था लागू हो जाने से अब छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन राशि का भुगतान बालिका के खाते में सीधे UNIPAY के माध्यम से हो सकेगा। भुगतान की सूचना भी मोबाईल में एसएमएस से बालिका को प्राप्त हो सकेगी। इस तरह भुगतान की प्रकिया अब और अधिक सटीक हो गयी है। मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना में बालिका को कक्षा 6, कक्षा 9, कक्षा 11 एवं कक्षा 12 में छात्रवृत्ति देने एवं स्नातक प्रथम एवं अंतिम वर्ष में प्रोत्साहन राशि दिये जाने का प्रावधान है। अब तक लगभग 29 लाख से अधिक बालिकाओं को 813.64 करोड़ रूपये की छात्रवृत्ति स्वीकृत की जा चुकी है। पूर्व में यह राशि जिलों के द्वारा आहरित कर सम्बंधित बालिका के खाते में डिपोजिट की जाती थी, इसमें समय लगता था और बालिका को सूचना भी नहीं प्राप्त हो पाती थी। NIPAY के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया प्रभावी और पारदर्शी हो गयी है। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि विभाग लाड़ली बहना योजना की हितग्राहियों को NIPAY पेमेंट पोर्टल के माध्यम से सहायता राशि का हस्तांतरण करता है। इसके लिए प्रत्येक हितग्राही का बैंक खाता आधार लिंक एवं डीबीटी इनेबिल्ड होना चाहिए, इसके पोर्टल का संचालन एमपीएसईडीसी द्वारा किया जा रहा है। इसमें कोई मैन्युअल हस्तक्षेप नहीं है। एमपीएसईडीसी के पोर्टल पर पेमेंट आर्डर जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी द्वारा जनरेट किया जाता है। पेमेंट आर्डर जनरेट होने के बाद एमपीएसईडीसी के NIPAY पेमेंट पोर्टल से बैंकिंग पार्टनर को हितग्राही के आधार के रेफरेंस नंबर के साथ पेमेंट भेजा जाता है। इसके बाद बैंक यह पेमेंट आर्डर और NPCI को भेजता है NPCI इसे हितग्राही के पसम्बंधित बैंक को भेजता है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद एवं प्रदेश संगठन महामंत्री ने प्रदेशवासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को दी अंग्रेजी नव वर्ष की शुभकामनाएं

भोपाल (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने प्रदेशवासियों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को अंग्रेजी नव वर्ष 2025 की शुभकामनाएं दी हैं।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि अंग्रेजी नव वर्ष 2025 समाज के सभी वर्गों की आशाओं, आकांक्षाओं की पूर्ति का साल बने, ईश्वर से यही प्रार्थना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। आने वाले समय में भाजपा सरकार प्रदेश में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार हर वर्ग की खुशहाली और सुख समृद्धि के लिए कई नवाचार किए है।

आठ एडवांस्ड सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी

भोपाल(आरएनएस)। नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू) में इस साल 800 सीटों पर एडमिशन दिए जा रहे हैं। इसमें आठ एडवांस्ड सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश लेने के लिए मंगलवार को स्टूडेंट्स के आवेदन पूरे हो गए। यह कोर्स जनवरी से मार्च तक चलेंगे हर कोर्स में 100-100 सीटें हैं। सभी कोर्सेस ऑनलाइन लर्निंग मोड पर होंगे। कोर्स कम से कम तीन और अधिकतम छह माह में पूरे करने होंगे। हर कोर्स की फीस 15 हजार रुपए है। एनएलआईयू के डिपार्टमेंट ऑफ ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन द्वारा यह कोर्स संचालित किए जाएंगे।

नया साल नये आयामों के साथ प्रदेशवासियों के जीवन-पथ को ऊंचाईयों की ओर अग्रसर करेः जीतू पटवारी

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नए साल 2025 की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए प्रदेशवासियों की खुशहाली और उन्नति की कामना की है। उन्होंने कहा कि नया वर्ष समतामूलक समावेशी समाज में प्रदेशवासियों के जीवन में सहजता, सरलता, सौम्यता का समावेश कर सफ्लता, सुदृढ़ता और सकारात्मकता की भावना जागृत हो और नये आयामों के साथ कीर्तिमान स्थापित कर अपने जीवन पथ को ऊंचाईयों की ओर अग्रसर करने में अपने कर्तव्यों का निर्वहन हो। श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेशवासी अमन-चैन, भाईचारे की भावना के साथ मिलजुल कर रहें। जो लोग अपना सामान्य जीवन जीने अपनी जरूरतों के लिये जद्दोजहद कर रहे हैं, उनकी जरूरतें, उनकी इच्छाएं पूर्ण हो, जो लाचार, वेवश और परेशान है, उन्हें उनकी हर समस्याओं से मुक्ति मिले, ताकि नये साल में उनके जीवन में नया प्रकाशपुंज स्थापित हो सके और सभी विकास पथ पर आगे बढ़ सके, ताकि हर चेहरे पर खुशियां मुस्कुरायें। श्री पटवारी ने प्रदेश के वर्तमान हालातों पर चिंता जाहिर करते हुये कहा कि प्रदेश कर्ज में डूबता जा रहा है, बेलगाम भ्रष्टाचार और अपराध से प्रदेश अराजकता की ओर अपने पैर पसार रहा है।

नये साल की सारी रात सड़को पर पुलिस रही मुस्तैद, नहीं हुई अनहोनी

भोपाल(ए)। नये साल की रात आमजन द्वारा जोश-खरोश के साथ मनाये जा रहे जश्न के दौरान राजधानी पुलिस शहर की सुरक्षा-व्यवस्था और किसी भी तरह की अनहोनी को रोकने के लिये सारी रात सड़को पर तैनात रही। जानकारी के अनुसार नये साल की रात शहर में सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिये 165 फिक्स पिकेट, 72 पेट्रोलिंग वाहन चेकिंग, 6 स्टेटिक पाईंटो पर 100 चेकिंग पाईंटों पर डेढ़ हजार पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात किये गये थे। इनमें 40 पुलिस कर्मचारी बॉडी वार्म कैमरों से लैस होकर मौके पर मौजूद रहे। चेकिंग के दौरान लगभग 700 दो और चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। इस दौरान 75 वाहन चालकों द्वारा शराब के नशे में वाहन चलाया जाना पाये जाने पर चालान बनाये गये। ड्रिंक एंड ड्राइव के साथ ही 216 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत भी पुलिस ने वाहन चालको के खिलाफ चालानी कार्यवाही की। वहीं 21 चाकूबाजो, गुंडे बदमाशों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए उन्हें जेल भेजा और 123 निगरानों बदमाशों को चेक किया गया। अधिकारियो ने बताया कि भोपाल पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों के खिलाफ की गई प्रभावी कार्यवाही के चलते नये साल की रात में कोई भी अप्रिय घटना घटित नहीं हुई।

नए साल के पहले दिन बड़ी संख्या में मेले पहुँचे सैलानी

झूलों के साथ लजीज व्यंजनों का उठाया लुत्फ

ग्वालियर (ए.)। नए साल के पहले दिन ऐतिहासिक श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेले में बड़ी संख्या में सैलानी पहुँचे। इस दौरान बच्चों व बड़ों ने जहाँ सतरंगी रोशनियों के बीच विभिन्न प्रकार के झूलों का आनंद लिया। वहीं खान-पान की दुकानों पर लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया। मेले में प्रदर्शनी सेक्टर भी विशेष आकर्षण का केन्द्र बनने जा रहा है। इस साल पिछली साल की तुलना में कहीं अधिक विभागीय प्रदर्शनी सज रही हैं। जनसंपर्क विभाग सहित डेढ़ दर्जन विभाग मेले में प्रदर्शनी लगा रहे हैं। प्रदर्शनी सेक्टर जल्द से जल्द तैयार कराने के लिये जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार ने बुधवार को विभागीय अधिकारियों को बैठक लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग शीघ्र से शीघ्र अपनी प्रदर्शनी का काम पूरा कराएँ। जिला स्तरीय अधिकारी इस काम को व्यक्तिगत रूप से देखें। मेले में इस साल जनसंपर्क, कृषि विपणन बोर्ड, पशुपालन, औद्योगिक विकास केन्द्र, नगर निगम, पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय, उद्यान, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, मत्स्योद्योग व कृषि विभाग द्वारा प्रदर्शनियां लगाईं जा रही हैं। इनके अलावा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, महिला बाल कल्याण स्वास्थ्य शिक्षा प्रसार समति, शारदा महिला मण्डल, एक देश एक आवाज इत्यादि संस्थाओं द्वारा भी अपनी-अपनी प्रदर्शनी लगाई जा रही हैं। हाथ ठेला व्यवसायी सुव्यवस्थित ढंग से अपना व्यवसाय कर सकें। इस उद्देश्य से मेले में हॉकर्स जोन स्थापित किया गया है। इससे छोटे-छोटे व्यवसाइयों के साथ-साथ सैलानियों को भी बड़ी सुविधा मिली है। साथ ही मेला के विभिन्न सेक्टर में सड़क पर ठेले लगने से होने वाली परेशानी का सामना भी सैलानियों को नहीं करना पड़ रहा है।

जब तक जनप्रतिनिधि संतुष्ट नहीं होंगे, तब तक पीथमपुर नहीं आने देंगे कचरा : विजयवर्गीय

इंदौर,(आरएनएस)। यूनियन कार्बाइड के जीहरीले कचरे की निस्तारण के लिए भोपाल से पीथमपुर ले जाने की कार्यवाही पर राज्य सरकार में ही असहमति के स्वर उभर आए हैं। नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर या पीथमपुर की सेहत के साथ किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। यूनियन कार्बाइड का 337 टन जहरीला कचरा निस्तारण के लिए पीथमपुर लाने की कवायद के बीच मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जब तक जनप्रतिनिधि इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाते कि इस कचरे से नागरिकों के स्वास्थ्य को कोई हानि नहीं है, तब तक इसे पीथमपुर नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि हम इस बारे में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों से भी चर्चा करेंगे।

कलेक्टर द्वारा आवेदक को नववर्ष पर मोट्रेड ट्राई साईकिल भेंट की गई

झाबुआ (ए.)। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा आवेदक थॉमस पिता दितिया गुण्डिया ग्राम गडवाड़ा जिला झाबुआ को एडीप योजना के तहत मोट्रेड ट्राई साईकिल भेंट की गई। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग पंकज साँवले ने बताया कि आवेदक द्वारा विभिन्न कार्यों के सम्पादन हेतु मोट्रेड ट्राई साइकिल की मांग की गयी थी, जिसे कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में दानदाताओ से प्राप्त एडिप योजना के तहत भेंट किया गया। हितग्राही थॉमस पिता दितिया गुण्डिया ने मोट्रेड ट्राई साइकिल प्राप्त होने की खुशी व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया और कहा कि ट्राई साइकिल के माध्यम से आवागमन में कोई तकलीफ नहीं होगी साथ ही किसी पर आश्रित रहने की आवश्यकता नहीं पडेगी। साथ ही मेरे द्वारा आजीविका के लिए सब्जी उगाकर बेचने का कार्य किया जाता है, इस ट्राई साइकिल के माध्यम से सब्जी बेचने जाने में भी सुविधा होगी। इस दौरान तहसीलदार झाबुआ सुनील डावर, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से खुशाल गुण्डिया उपस्थित रहे।

खाद्यान्न वितरण में ग्वालियर प्रदेश के अग्रणी जिलों में

ग्वालियर (ए.) उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न वितरण में ग्वालियर जिला प्रदेश के अग्रणी जिलों में शुमार है। लगातार दूसरे माह ग्वालियर जिला खाद्यान्न वितरण में तीसरे स्थान पर रहा है। गत दिसम्बर माह में इंदौर जिला प्रथम, भोपाल द्वितीय एवं ग्वालियर जिले को खाद्यान्न वितरण में तीसरा स्थान मिला है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने खाद्य विभाग सहित सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों को खाद्यान्न वितरण में जिले को अव्वल बनाने के लिये लगातार मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। ग्वालियर जिले में उचित मूल्य की दुकानों से 2 लाख 83 हजार 413 पात्र कार्डधारी उपभोक्ता जुड़े हैं। इनमें से 2 लाख 77 हजार 673 उपभोक्ताओं को दिसम्बर माह में खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया है। 00

जनसुनवाई में हुई 90 आवेदनों पर सुनवाई विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों पर कार्यवाही के दिए निर्देश ग्राम पंचायतों से लेकर जिला मुख्यालय तक आयोजित हुई जनसुनवाई

कटनी(ए.) कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिला पंचायत के सीईओ शिविर गेमावत एवं अन्य जिला अधिकारियों की मौजूदगी में आवेदकों के आवेदन एवं समस्याओं को सुना गया और विभागीय अधिकारियों को तत्परता से आमजन की समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त कुछ प्रकरणों में संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संस्कृति शर्मा, निधि सिंह गोहल व ज्योति लिल्हारे सहित डिप्टी कलेक्टर विवेक गुप्ता द्वारा भी जनसुनवाई में पहुंचे लोगों के आवेदनों पर सुनवाई की गई। कार्यालय कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान 90 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय सहित जिले के तहसील, विकासखंड और ग्राम पंचायतों में नियमित जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम पंचायतों द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को ऑनलाइन दर्ज करने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। निर्माण कार्य की कराएं जांचजनसुनवाई में पहुंचे बहोरीबंद के वार्ड क्रमांक 18 निवासी रविशंकर, धनंजय, विजय, मनोरमा एवं अन्य निवासी द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर वार्ड में गुणवत्ताविहीन नाली निर्माण के कारण गंदगी होने की जांच कराये जाने संबंधी आवेदन पर सुनवाई उपरांत एस.डी.एम बहोरीबंद की ओर प्रकरण जांच हेतु प्रेषित किया गया।पात्रतानुसार दिलाएं लाभ जनसुनवाई के दौरान ग्राम पोस्ट भरवारा निवासी कल्लू बाई रजक द्वारा प्रधान मंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन पर जनपद पंचायत कटनी सीईओ की ओर आवेदन प्रेषित करते हुए पात्रतानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। वहीं ग्राम पंचायत कैलवारा खुर्द निवासी राकेश कुशवाहा द्वारा दुर्घटना के दौरान पैर में गंभीर चोट आने तथा आगामी इलाज करानें में सक्षम न होने की जानकारी देते हुए आयुष्मान कार्ड बनवाने की जानकारी दिये जाने पर खाद्य विभाग के अधिकारियों को खाद्यान्न पर्ची जारी करने तथा जिला चिकित्सालय के उपस्थित अधिकारी को आयुष्मान कार्ड बनवानें सहित नियमानुसार पैर का ईलाज करनें के निर्देश दिए गए।

वेयर हाउस के मैनेजर ने आत्महत्या से पहले जो रिपोर्ट दी थी वह सही निकली

-भाजपा नेताओं के गोदाम से गेहूं सरसों और मसूर गायब

उज्जैन,(ए.)। उज्जैन में रहने वाले मप्र वेयर हाउस कॉर्पोरेशन के आलोट शाखा प्रबंधक आरडी शर्मा ने आत्महत्या करने से पहले जो रिपोर्ट दी थी वह सही निकली। घटना के 18 दिन बाद रिपोर्ट आई उसने दूध में नहाए भाजपा नेताओं का पानी उतार कर रख दिया।प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में जो खुलासा हुआ है उसके अनुसार मनोज काला के वेयर हाउस से 1978 बोरी गेहूं, एक बोरी मसूर और 10 बोरी सरसों गायब मिला। इसी प्रकार राजेश परमार गोदाम से 209 बोरी गेहूं गायब पाया गया। रिपोर्ट के अनुसार गेहूं स्टॉक था उसमें भी ज्यादातर घुन लगा हुआ और आटे जैसा था। मजेदार बात तो यह है कि सोयाबीन स्टॉक से ज्यादा पाया गया। रिपोर्ट के अनुसार काला के गोदाम से 504 बोरी पाले वाला सोयाबीन यानी खराब क्वालिटी वाला पाया गया। रिपोर्ट बता रही है कि इन्हीं गड़बड़ियों के कारण मैनेजर को आत्महत्या जैसा कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा। गौरतलब है कि आरडी शर्मा ने 14 दिसंबर को आत्महत्या कर ली थी। इसके पहले उन्होंने सुसाइड नोट बनाया और वेयर हाउस के संचालक भाजपा नेता मनोज काला और राजेश परमार ताल निवासी को जिम्मेदार ठहराते हुए लिखा था कि इन दोनों ने ही स्टॉक में गड़बड़ी की है।

शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज झाबुआ में युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया

झाबुआ (ए.)। मध्यप्रदेश शासन, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, मंत्रालय, भोपाल के निर्देशानुसार जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में 01 जनवरी 2025 को शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज झाबुआ में संयुक्त रूप से युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कुल 49 अभ्यर्थियों द्वारा पंजीयन कराया गया तथा मेले में उपस्थित निजी क्षेत्र की कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा 08 अभ्यर्थियों का प्रारम्भिक चयन किया गया। इस आयोजन में मुख्य रूप से न्यू जील फेशन वियर बदनावार, मे आई हेल्प यू इण्डिया अहमदाबाद के भर्ती अधिकारी उपस्थित रहे। संयुक्त रूप से आयोजित जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की स्व-रोजगार योजना- मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना, भगवान बिरसा मुंडा योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, पीएमएफएमई योजना, संत रविदास योजना, पीएम स्वनिधि योजना, आजीविका स्वयं सहायता समूह एवं पशुपालन विभाग की हितग्राही मूलक योजनान्तर्गत उपस्थित आवेदकों को जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में महाप्रबन्धक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सुश्री पिंकी डिन्डोर, प्राचार्य पॉलीटेक्निक कॉलेज गिरीश गुप्ता, आईटीआई से सुरेन्द्रसिंह बारिया एवं स्टाफ, डीपीएम-एनआरएलएम एवं अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एसोचैम ने उद्योग जगत के दिग्गज मनीष सिंघल को महासचिव पद पर किया नियुक्त

नई दिल्ली (ए) । एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) ने बुधवार को उद्योग जगत के दिग्गज मनीष सिंघल को महासचिव पद पर नियुक्त किया।

चैंबर ने एक बयान में कहा कि सिंघल दीपक सूद की जगह लेंगे। दीपक सूद ने पिछले पांच वर्षों से चैंबर का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया और अब उनके इस पद को सिंघल संभालेंगे।

सिंघल इससे पहले फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के उप महासचिव के रूप में काम कर चुके हैं।

उन्होंने टाटा मोटर्स, आयशर (वोल्वो), टाटा ऑटो कॉम्प सिस्टम्स, मोजर बेयर इंडिया और बीईएमएल सहित कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ भी काम किया है।

एसोचैम के अध्यक्ष संजय नायर ने कहा, हम चैंबर के पुनर्निर्माण में दीपक सूद के अपार योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। सूद के नेतृत्व में चैंबर की अब एक मजबूत बैलेंस शीट है।

नायर ने सिंघल का स्वागत किया। चैंबर के अध्यक्ष ने कहा, पॉलिसी एडवोकेसी और इंटरनेशनल बिजनेस में सिंघल का एक प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड है, जो चैंबर को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगा।

एसोचैम 1920 से भारत का सबसे पुराना शीर्ष चैंबर है। चैंबर 4,50,000 से ज्यादा सदस्यों के अपने नेटवर्क के साथ भारतीय इकोनॉमी इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए कार्रवाई योग्य पॉलिसी एडवोकेसी लाता है। इसमें बड़े कॉरपोरेट और एमएसएमई शामिल हैं।

इस बीच, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बजट पूर्व बैठक में, चैंबर ने एमएसएमई और डेटा सेंटर, डेटा होस्टिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे न्यू एज बिजनेस के लिए लिए अनुमानित कराधान के दायरे को बढ़ाने सहित निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई उपायों की मांग की है।

नायर के अनुसार, इससे पूर्व-निर्धारित आधार पर आय की गणना कर अनुपालन को सरल बनाने में मदद मिलेगी, जिससे कर विवाद और मुकदमेबाजी की आशंका कम होगी।

नए साल के पहले दिन हरे निशान में खुला शेयर बाजार, इन शेयरों में अच्छी तेजी

मुंबई (ए) । नए साल के पहले दिन शेयर बाजार की हरे निशान में शुरुआत हुई है। हालांकि, खुलते ही बीएसई सेंसेक्स लाल और हरे निशान में ट्रेड कर रहा है। सेंसेक्स 99.38 अंक चढ़कर 78,251.76 पर कारोबार कर रहा है। वहीं, एनएसई निफ्टी 20.55 अंकों की तेजी के साथ 23,665.35 पर कारोबार कर रहा है। शेयरों पर नजर डालें तो सन फार्मा, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक आदि में तेजी है। वहीं, गिरने वाले में नेस्ले, इंडसइंड बैंक, आईसीआईआई बैंक और एक्सिस बैंक शामिल हैं। आपको बता दें कि कल 2024 के आखिरी दिन सेंसेक्स में 109 अंकों की गिरावट रही थी जबकि निफ्टी लगभग स्थिर रहा था। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 109.12 अंक यानी 0.14 प्रतिशत गिरकर 78,139.01 पर बंद हुआ था। हालांकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी शुरुआती गिरावट से काफी हद तक उबरने में सफल रहा और अंत में 0.10 अंक की मामूली गिरावट के साथ 23,644.80 पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, मारुति और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टूब्रो, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, एचसीएल टेक और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.64 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

अप्रैल-नवंबर में भारत का राजकोषीय घाटा 8.47 लाख करोड़, ये चालू वित्त वर्ष के लक्ष्य का 52.5 प्रतिशत

नई दिल्ली (ए.) । हाल ही में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से नवंबर तक के पहले 8 महीनों के लिए भारत का राजकोषीय घाटा 8.47 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया। जो वित्त वर्ष के लिए पूरे साल के अनुमान लक्ष्य का 52.5 प्रतिशत है।

यह एक मजबूत व्यापक आर्थिक वित्तीय स्थिति को दर्शाता है क्योंकि राजकोषीय घाटा पूरी तरह नियंत्रण में है और सरकार कंसोलिडेशन पाथ पर बनी हुई है। आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के लिए शुद्ध कर प्राप्तियां 14.43 लाख करोड़ रुपये या वार्षिक लक्ष्य का 56 प्रतिशत रहीं, जो पिछले साल की समान अवधि के 14.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

आठ महीनों के लिए कुल सरकारी व्यय 27.41 लाख करोड़ रुपये रहा, जो केंद्रीय बजट में निर्धारित वार्षिक लक्ष्य का 57 प्रतिशत है। पिछले साल इसी अवधि में सरकार ने 26.52 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे।

सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को 2023-24 के 5.6 प्रतिशत से घटाकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.9 प्रतिशत

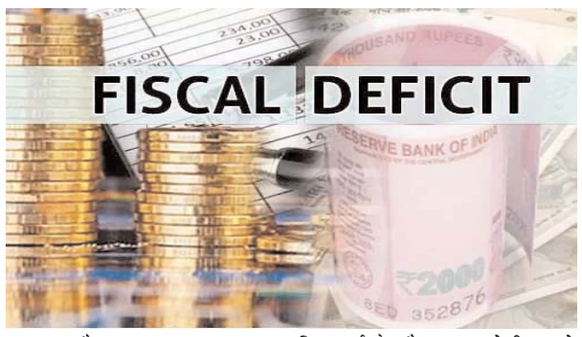

पर लाना है। सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के दौरान राजकोषीय घाटे को 16.13 लाख करोड़ रुपये पर सीमित रखना है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के दौरान 1 अप्रैल से 10 नवंबर तक भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह, जिसमें कॉर्पोरेट कर और व्यक्तिगत आयकर शामिल हैं, 15.4 प्रतिशत बढ़कर 12.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह, बढ़ती आर्थिक गतिविधियों के कारण जीएसटी संग्रह में भी जोरदार वृद्धि हुई है।कर संग्रह में उछाल से सरकार के खजाने में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए धन उपलब्ध होता है। साथ ही गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने के लिए भी धन जुड़ता है।

इससे राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखने में भी मदद मिलती है और अर्थव्यवस्था के आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाता है।

कम राजकोषीय घाटे का मतलब है कि सरकार को कम उधार लेना पड़ता है जिससे बैंकिंग सिस्टम में बड़ी कंपनियों के लिए उधार लेने और निवेश करने के लिए अधिक पैसा बचता है।इसके परिणामस्वरूप, उच्च आर्थिक विकास दर और अधिक नौकरियों का सृजन होता है।इसके अलावा, कम राजकोषीय घाटा मुद्रास्फीति दर को नियंत्रित रखता है जो अर्थव्यवस्था के बुनियादी ढांचे को मजबूत करता है और स्थिरता के साथ विकास सुनिश्चित करता है।

भारत के आठ कोर सेक्टर उद्योगों का उत्पादन नवंबर में 4.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ,(ए) । हाल ही में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में सीमेंट और स्टील उत्पादन में मजबूत वृद्धि के कारण भारत के आठ कोर सेक्टर उद्योगों का उत्पादन सालाना आधार पर 4.3 प्रतिशत बढ़ा। नवंबर के आंकड़े अक्टूबर में बुनियादी ढांचे के उत्पादन में रिवाइज्ड 3.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में तेजी को दर्शाते हैं। नवंबर में सीमेंट उत्पादन में 13 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि हुई, जबकि स्टील उत्पादन में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले महीने की रिवाइज्ड 5.2 प्रतिशत वृद्धि से थोड़ा कम है। बिजली उत्पादन में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो अक्टूबर में रिवाइज्ड 2 प्रतिशत वृद्धि से बेहतर है। उर्वरक उत्पादन में 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो अक्टूबर में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि से शानदार सुधार है।

हालांकि, कच्चे तेल के उत्पादन में 2.1 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि अक्टूबर में इसमें 4.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। प्राकृतिक गैस उत्पादन में 1.9 प्रतिशत की गिरावट आई, जो पिछले महीने दर्ज की गई 1.2 प्रतिशत की गिरावट से थोड़ा अधिक है।

कोयला उत्पादन में अक्टूबर में 7.8 प्रतिशत की तुलना में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिफाइनरी उत्पाद उत्पादन में पिछले महीने में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 2.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल-नवंबर की अवधि के लिए, बुनियादी ढांचे के उत्पादन में 4.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में देखी गई 8.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में धीमी है। इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में शामिल वस्तुओं के भार का 40.27 प्रतिशत आठ कोर इंडस्ट्री से बनता है। यह नवंबर में औद्योगिक विकास दर के लिए एक अच्छा संकेतक बने हुए हैं। आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, नवंबर 2024 में कोर सेक्टर की वृद्धि दर बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई, जो अक्टूबर 2024 में रिवाइज्ड 3.7 प्रतिशत थी।

2024 में एनएसई का मार्केट कैप 21 प्रतिशत बढ़कर 438 लाख करोड़ हुआ, 301 कंपनियां हुई लिस्ट

मुबंई ,,(ए) । भारतीय शेयर बाजार के लिए 2024 ऐतिहासिक रहा। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मार्केट कैप 31 दिसंबर, 2024 तक सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 438.9 लाख करोड़ रुपये (5.13 ट्रिलियन डॉलर) हो गया है, जो कि 29 दिसंबर, 2023 को 361.05 लाख करोड़ रुपये (4.34 ट्रिलियन डॉलर) था।

एनएसई द्वारा मंगलवार को जारी किए गए डेटा में बताया गया कि 2024 में एनएसई पर कुल 301 कंपनियां लिस्ट हुई हैं। इसमें से 90 मेनबोर्ड और 178 एसएमई कंपनियां थी। वहीं, 33 कंपनियों की डायरेक्ट लिस्टिंग हुई है।

2024 में 90 मेनबोर्ड कंपनियों का आईपीओ आया था। इन सभी कंपनियों ने कुल मिलाकर

1.59 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। मेनबोर्ड कंपनियों में औसत आईपीओ साइज 1,772 करोड़ रुपये था। इस साल सबसे बड़ा आईपीओ हुंडई मोटर इंडिया ने पेश किया था। इसका साइज 27,859 करोड़ रुपये था। सबसे छोटा 72 करोड़ रुपये का आईपीओ विभोर स्टील ट्यूब द्वारा पेश किया गया था।

इस साल 178 एसएमई कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 7,348 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एसएमई आईपीओ का औसत साइज 41 करोड़ रुपये था। सबसे बड़ा एसएमई आईपीओ दानिश पावर ने पेश किया था। इसका इश्यू साइज 198 करोड़ रुपये था।

साल का सबसे छोटा एसएमई आईपीओ एचओएसी फूड्स इंडिया लिमिटेड द्वारा पेश किया गया था। इसका साइज 6 करोड़ रुपये था। 2024 में निफ्टी-50 ने सालाना आधार पर 8.8 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।31 दिसंबर, 2024 को कारोबार बंद होने के बाद इसकी वैल्यू 23,645 थी, जो कि 29 दिसंबर, 2023 को 21,731 थी।

साल के पहले दिन भी रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली (ए)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को साल के पहले दिन तीन पैसे की गिरावट के साथ ही सबसे निचले स्तर 85.64 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया एक समया पहले सत्र में गिरावट के साथ 85.69 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार ब्याज दरों में कटौती को लेकर फेडरल रिजर्व के सतर्क रुख तथा अमेरिकी 10 साल के बॉण्ड प्रतिफल में मजबूती से रुपया लगातार दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.63 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 85.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.61 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

रुझान बढ़ती गैर-बराबरी का ही संकेत

कॉरपोरेट सेक्टर की उदारता और मौज-मस्ती पर धनी तबके के अधिक खर्च की बढ़ी प्रवृत्ति से एयर लाइन उद्योग में और चमक आएगी। मगर विडंबना यह है कि ये चमक जिस विशाल दलदल के बीच मौजूद है, उसका भुरभुरापन बढ़ता ही जा रहा है। विमानन कंपनियां खुश हैं कि भारत में बिजनेस क्लास में यात्रा करने का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है। ट्रेवल एजेंसियां भी खुश हैं। इस क्लास का टिकट कटवाने पर उन्हें ज्यादा कमीशन मिल रहा है। इन एजेंसियों के मुताबिक भारतीय अब विमान यात्रा के बेहतर अनुभव को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। कॉरपोरेट्स अपने अधिकारियों को बेहतर सुविधा देने पर उदारता से खर्च कर रहे हैं। नतीजतन छुट्टियों के इस सीजन में बिजनेस क्लास की टिकट बिक्री में ऑनलाइन ट्रेवल एजेंसी मेक माई ट्रिप के मुताबिक 50 प्रतिशत और क्लीयरट्रिप के मुताबिक 60 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। खासकर जो लोग विदेश यात्राएं करते हैं, उनमें बिजनेस क्लास का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। इस रुझान को देखते हुए देशी और विदेशी विमानन कंपनियां अपने विमानों में इस सुविधा को बढ़ाने में जुटी हैं।और ऐसा सरकारी नीतियों और कॉरपोरेट सेक्टर के अधिक से अधिक वित्तीय कारोबार में शामिल होते जाने के कारण हुआ है। दूसरी तरफ इन नीतियों का ही परिणाम है कि करोड़ों मेहनतकश कर्मचारियों की वास्तविक आय गिरती चली गई है। परिणामस्वरूप उपभोग और मांग बाजार से गायब होते जा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक 2019 में दी गई कॉरपोरेट टैक्स छूट से पिछले पांच साल में अतिरिक्त लगभग छह लाख करोड़ रुपये कॉरपोरेट्स की जेब में गए हैं। इस रकम का उत्पादक निवेश करने के बजाय कॉरपोरेट्स ने अपने अधिकारियों की मौज-मस्ती बढ़ाई है। स्पष्टत: ये रुझान बढ़ती गैर-बराबरी का ही संकेत है।

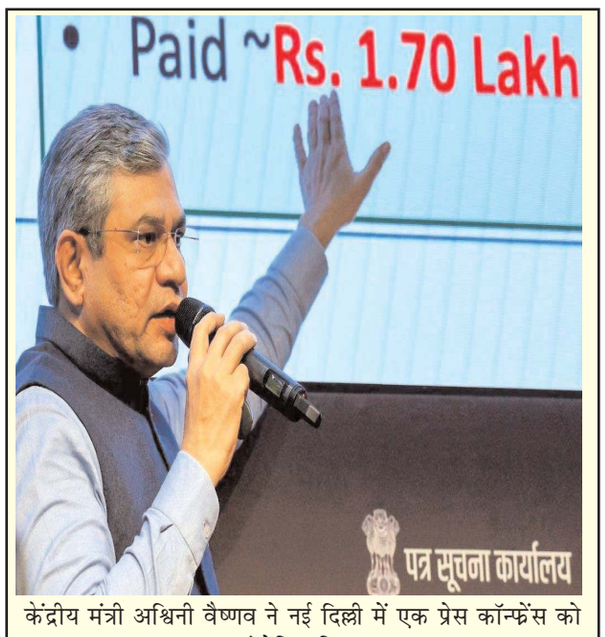

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया.

ग्रामीण महिलाओं के समृद्धि की ओर बढ़ते कदम

-सोनिया परिहार

प्रदेश सरकार का महिला मिशन महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनैतिक विकास को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें सम्मान और सुरक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। सरकार ने महिलाओं के समग्र विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। इस मिशन के तहत, महिलाओं को उद्यमिता, कौशल विकास, शिक्षा और रोजगार के अधिक अवसर दिये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) ने ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं का प्रभाव ग्रामीण परिवारों के जीवन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत गरीब परिवार के लगभग 62 लाख सदस्यों को, लगभग 5 लाख स्व-सहायता समूहों से जोडा गया है। इनमें से लगभग 15 लाख परिवारों की सालाना आय न्यूनतम 1 लाख से अधिक अथवा करीब 10-12 हजार रुपये महीने तक पहुंची है। यह आंकडे मध्यप्रदेश में आर्थिक उन्नयन के प्रयासों की सफलता को दर्शाते हैं।

0-समूहों के माध्यम से छोटे-छोटे व्यवसायों की शुरुआत इस मिशन के तहत महिलाओं को स्व सहायता समूह बनाकर कई प्रकार के व्यवसायों की शुरुआत करने का अवसर मिला। इन व्यवसायों में स्कूली ड्रेस सिलाई, पोषण आहार का संचालन, टोल टैक्स बैरियर प्रबंधन, राशन की दुकानों का संचालन, जल प्रबंधन, पंचायतों में कर संग्रहण और सड़कों के रख-रखाव जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। इससे महिला सशक्तिकरण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली। मिशन के समूहों से जुड़े परिवारों को आजीविका के एक से अधिक विकल्प उपलब्ध कराने के लिये लगातार प्रशिक्षण, मार्गदर्शन के साथ-साथ वित्तीय सहयोग भी दिया जा रहा है।

विगत एक वर्ष में मिशन के अंतर्गत 48,655 महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जा चुका है। इसके साथ ही 479 ग्राम संगठन (व्ही.ओ.) और 35 संकुल स्तरीय संगठन (सी.एल.एफ) स्थापित किए गए हैं, जो ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान में योगदान दे रहे हैं।

मिशन ने 21,860 स्व-सहायता समूहों को कुल 43.57 करोड़ रुपये परिक्रामी निधि (रिवाल्विंग

फण्ड) और 14,657 समूहों को 129.92 करोड़ रुपये सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) प्रदान की है। इसके अलावा, विभिन्न बैंकों से 1,38,192 समूहों को 3,115 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त हुआ है, जो इन समूहों के आर्थिक विकास में सहायक बन रहा है।

0-नवीनतम तकनीकी और उद्योग आधारित आजीविका अवसर स्वयं सहायता समूहों को स्थायी व्यवसाय और आजीविका के उद्देश्य से नमो ड्रोन दीदी योजना प्रारम्भ की गयी। यह योजना महिला स्वयं सहायता समूहों को कृषि प्रयोजनों के लिए किसानों को ड्रोन किराए पर देने में सक्षम बनाती है नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे नवीन तरल उर्वरकों के पत्तों पर छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग से कृषि में उन्नत तकनीक की शुरुआत करती है। योजना मे इस वर्ष प्रदेश की 89 महिलाओं को ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, फर्टिलाइजर कंपनियों द्वारा ड्रोन भी उपलब्ध कराए गए हैं, जो कृषि कार्यों में आधुनिक तकनीकी का उपयोग बढ़ा रहे हैं।

0-कृषि और पशुपालन में नई दिशा कृषि, पशुपालन, दुग्ध उत्पादनतथा गैर वानकी लघु वनोपज संग्रहणके क्षेत्र में भी आजीविका मिशन द्वारा बडे पैमाने पर समूह सदस्यों को संगठित कर प्रोड्यूसर कंपनियों से जोड कर लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में गठित 135 प्रोड्यूसर कंपनियों के माध्यम से कृषि, कुक्कुट पालन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, लघु वनोपज आदि के क्षेत्र में नई क्रांति लाने में कामयावी मिली है।

मध्यप्रदेश में आजीविका मिशन द्वारा 2,84,000 परिवारों को कृषि और पशुपालन आधारित आजीविका गतिविधियों से जोड़ा गया है। किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 10.83 लाख टन अनाज का उपार्जन किया गया है, जिससे किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सका है। इसके अलावा, 7 किसान उत्पादक कंपनियों का गठन किया गया है, जिनमें 928 समूह सदस्यों को जोड़ा गया है। ये कंपनियां किसानों को उनके उत्पादों के बेहतर विपणन और मूल्य में वृद्धि के लिए सहायता प्रदान कर रही हैं।

0-दीदी कैफे: केन्द्र सरकार के सौ दिनों में लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य मिलने के बाद मध्यप्रदेश में 96 हजार 240 बहनें लखपति दीदी बन गईं। इनको मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से वित्तीय सहायता, बाज़ार सहायता एवं तकनीकी सहायता दी गई है। इनके स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की पहुंच बड़े बाजारों तक बनाने के लिये डिजीटल प्लेटफार्म पर लाकर ऑनलाईन मार्केटिंग की जा रही है। प्रदेश में लगभग 46,000 परिवारों को गैर कृषि आधारित लघु उद्यम गतिविधियों से जोड़ा गया है और 20 नए दीदी कैफे की शुरुआत की गई है। इन कैफे के माध्यम से महिलाएं अपनी आजीविका चला रही हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में नई रोजगार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। यह गर्व का विषय है कि 25 अगस्त 2024 को जलगांव (महाराष्ट्र) में हुए लखपति दीदी सम्मेलन मे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुना जिले की लखपति दीदी श्रीमती गंगा अहिरवार को सम्मानित किया गया ।

0-आजीविका मार्ट और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना: आजीविका मार्ट, भोपाल द्वारा पिछले एक वर्ष में 9.73 करोड़ रुपये की बिक्री की गई है, जो ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को बाजार में स्थापित करने का एक सफल उदाहरण है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (PMFME) के तहत 1,217 समूह सदस्यों को 348.38 लाख रुपये का सीड कैपिटल अनुदान प्रदान किया गया है, जिससे उनके छोटे-छोटे खाद्य प्रसंस्करण उद्यम को बढ़ावा मिला है।

0-लखपति दीदी और मिलेट आधारित आजीविका संवर्धन: लखपति दीदी इनिशिएटिव कार्यक्रम के तहत 13.69 लाख महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिनका उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। लखपति दीदी संगीता मालवीय ने 25 अगस्त 2024 को जलगांव (महाराष्ट्र) में हुए लखपति दीदी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संवाद करने का अवसर मिला। इसके साथ ही मिलेट आधारित आजीविका संवर्धन के तहत 9,000 महिला समूहों को मिलेट उपार्जन और प्रसंस्करण गतिविधियों से जोड़ा गया है। जिले डिण्डौरी और सिंगरौली में आधुनिक मिलेट प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की गई हैं, जो इन महिलाओं के लिए नई आजीविका के अवसर पैदा कर रही हैं।

0-ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर: आजीविका मिशन के तहत 79,634 ग्रामीण युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं। डी.डी.यू.जी.के.वाई. और आरसेटी के माध्यम से इन युवाओं को रोजगारोन्मुखी और स्वरोजगार प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे उनकी जीवनशैली में सुधार आया है।

0-राजनीतिक और सामाजिक सशक्तिकरण की ओर एक कदम: महिला समूह सदस्यों ने पात्रता अनुसार शासन की योजनाओं का आगे बढकर लाभ लिया है। स्वच्छता अभियान, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण संरक्षण, बचत, बैंकिंग, डिजीटल लेन-देन, सुरक्षा बीमा आदि क्षेत्रों में उनके द्वारा न केवल स्वयं लाभ लिया गया है अपितु दूसरेलाभार्थियोंके लिए मददगार भी बनी है। घरेलू हिंसा में कमी, लिंग भेद में कमी लाने के प्रयास करना तथा अन्य शासकीय अभियानों, शासकीय योजनाओं तथा सामुदायिक विकास के मुद्दों तथा निगरानी में भागीदारी बढी है।

भारतीय समानांतर सिनेमा का पिता श्याम बेनेगल

अजय कुमार शर्मा

अपनी पहली ही फिल्म 'अंकुर' से हिन्दी सिनेमा को सृजनात्मक सिनेमाई अभिव्यक्ति की एक नई, सुंदर और सार्थक पूंजी देने वाले श्याम बेनेगल का अवसान हिन्दी सिने इतिहास के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण काल का मानो पटाक्षेप है। उन्हें भारतीय समानांतर सिनेमा का पिता कहा गया लेकिन वह उससे कहीं ज्यादा थे। हालांकि वह स्वयं समानांतर सिनेमा शब्द से सहमत नहीं थे। 2009 में बीबीसी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, यह सिनेमा मुख्य सिनेमा से हट कर है, या इस तरह की फिल्मों से मनोरंजन नहीं होता। मैं इस तरह की बातों से कभी सहमत नहीं रहा। हर निर्माता-निर्देशक का फिल्म बनाने का अलग तरीका होता है। मुझे लगा कि आम ढर्रे की फिल्मों में कुछ अलग करने का स्कोप नहीं तो मैंने यह रास्ता चुना।'

गैर-हिन्दीभाषी होते हुए भी हिन्दी फिल्म बनाने वाले श्याम बेनेगल के सिनेमा को किसी खास खांचे में डाल कर वर्गीकृत करना बड़ा मुश्किल है। यह टाइप होकर भी टाइप्ड नहीं है और लाउड होकर भी लाउड नहीं है। समानांतर सिनेमा आंदोलन के दौरान बेनेगल द्वारा निर्देशित फिल्मों-अंकुर' (1974), चरनदास चोर' (1975), निशांत' (1975), मंथन' (1976), भूमिका' (1977), कोंडूरा', जुनून' (1978), कलयुग' (1981), आरोहण' (1982), मंडी' (1983), त्रिकाल' (1985), सुष्मन' (1987), अन्तरनाद' (1991), सूरज का सातवां घोड़ा' (1993) आदि तो महत्त्वपूर्ण हैं ही, बल्कि इस दौर के बीतने के बाद भी उन्होंने मम्मो (1994), सरदारी बेगम, द मेकिंग ऑफ द महात्मा (1996), समर (1999), हरी भरी, जुबैदा (2000) जैसी अनेक सार्थक फिल्में भी बनाई। दूरदर्शन के लिए यात्रा', कथा सागर', अमरावती की कथाएं', भारत एक खोज' जैसे चर्चित धारावाहिक भी बनाए। उन्होंने इक्कीसवीं सदी के आरंभ में सुभाष चंद्र बोस : द फॉरगॉटन हीरो'(2004), वेलकम टू सज्जनपुर' (2008) और वेलडन अब्बा' (2009) फिल्में बनाई और 2014 में संविधान' जैसा महत्त्वाकांक्षी धारावाहिक लेकर राज्य सभा टीवी' चैनल पर आए। बेनेगल के सिनेमा में कथानक, संगीत और नृत्य प्रमुख तत्त्व के रूप में उभर कर सामने आते हैं। देहाती बोली और रहन-सहन की बारीकियों की समझ उनमें है। वे महत्त्वपूर्ण विषयों पर यथार्थवादी शैली में सबकी समझ में आने वाली फिल्में बनाते हैं, जो सामाजिक और समस्यापरक तो हैं पर अंत में समस्या के स्पष्ट समाधान की बजाय प्रतीकात्मक आशावाद को प्रस्तुत करते नजर आते हैं। बेनेगल के पात्र साधारण हैं पर असाधारण चरित्र हैं; जो सामान्य परिस्थितियों में जीते हैं पर असामान्य स्थितियों में रहते हैं। बेनेगल के सिनेमा का मूलभूत तत्त्व है नायक या नायिका की अपने परिवार, समाज, संसार के बंधनों से मुक्त होकर स्वच्छंदता और पूर्णता की चाह।रिश्तों के दबावों और सामाजिक रूढियों-कुरीतियों से मुक्त करके अपनी जड़ों की विश्वस्त जमीन से असुरक्षित आकाश में स्थापित करने की बेनेगल की यह सोच कइयों को सतही, रूमानी, फंतासी यहां तक कि घातक भी प्रतीत हो सकती है लेकिन उनकी नजर में नारी ही नहीं, यह पूरी मानवता की भलाई के लिए आवश्यक है।

बेनेगल की नायिका परिस्थितियों की शिकार होने के बावजूद झुकती और टूटती नहीं है। जानती है कि पुरुषों के चेहरे बदलते हैं, बिस्तर बदलते हैं, पर वे नहीं बदलते। बेनेगल अपनी परंपरा, जड़ों, अपने बीते युग की ओर लौटने के ख्वाब नहीं देखते। किसी स्वर्णिम अतीत का आकर्षण उन्हें नहीं जकड़ता। आधुनिक सभ्यता की तमाम विकृतियों, नैतिक मूल्यों के ह्रास के बावजूद वे पिछड़े ग्रामीणों को देश की मुख्यधारा में जोडने के पक्षधर हैं। उनकी कई फिल्मों में वर्गसंघर्ष और जातिद्वंद्व भी है पर बेनेगल न जटिल हैं, न ही लाउड। वे नारेबाजी में विश्वास नहीं रखते, फिर चाहे नारेबाजी जनवाद या साम्यवाद के समर्थन में ही क्यों न हो। क्रांति की बजाय बेनेगल का विश्वास सामाजिक चेतना जगाने में है। इस लिहाज से देखे जाने पर बेनेगल का सिनेमा श्रेष्ठ सिनेमा है, जिसमें व्यावसायिक और कला, दोनों सिनेमाओं का मिशग्रहै। हिन्दी सिनेमा में उनके योगदान के बारे में उनके साथ लगभग 35 साल तक काम कर चुके अभिनेता और पटकथा लेखक अतुल तिवारी उन्हें गेटवे ऑफ इंडियन सिनेमा' की उपाधि देते हैं। श्याम बेनेगल के साथ समर', वेलकम टू सज्जनपुर' और वेलडन अब्बा' जैसी फिल्में लिख चुके अशोक मिश्र उन्हें देश की नब्ज समझने वाले ऐसे प्रगतिशील और समर्थ निर्देशक के रूप में याद करते हैं, जिन्होंने जनता को हर बार नये और रोचक किस्सों से रूबरू कराया। कभी कुछ रिपीट नहीं किया।

मेष राशि: आज किसी सोच में गुम रह सकते है, इससे आपके काम की गति धीमी होगी। किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखना आपको धन की प्राप्ति होगी। आज किसी जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे। दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम आपको कैंसिल करना पड़ सकता है। आज तली-भुनी चीजों को खाने से आपको बचना चाहिए।

वृष राशि: आज कामकाज में आप थोड़े बिजी हो सकते हैं। किसी खास काम के लिए परिवार के लोगों को आपसे उम्मीदें होगी जिन पर आप खरे उतरेंगे । लम्बे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे। कारोबारियों को कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होगा। माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बन जायेगा।

मिथुन राशि: आज कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। आप कोई जरुरी घरेलू काम निपटाने में सफल रहेंगे। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएगी। आपको रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। जो लोग मार्केटिंग के काम से जुड़े हैं, उन्हें तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे। आज दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने से आपको खुशी मिलेगी।

कर्क राशि: आज आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कार्यों में लगायेंगे। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिलेगी। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से फल की प्राप्ति होगी। अगर आप बिजनेस में अनुभवी लोगों की सलाह लेकर आग बढ़ेंगे, तो आपको मुनाफा मिलने की संभावना है। आज आपके मन में कई तरह के सवाल भी रहेंगे।

सिंह राशि: आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। आज कार्यक्षेत्र में आपको पुरानी पहचान का फायदा मिलेगा। रुके हुए सारे काम आसानी से पूरे होंगे। आपके जीवन में खुशियाँ ही खुशियाँ आयेंगी। आज घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। इस राशि के छात्र अपना समय अध्ययन में लगाएंगे, इससे आपको सफलता मिलेगी। आप सुबह के समय वर्क आउट शुरू कर सकते हैं, जिससे आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप खुद को ऊर्जा से भरा हुआ फील करेंगे। आपको जल्दबाजी में कोई फैसला करने से बचना चाहिए। पिता की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। जीवनसाथी के साथ बिताये गए कुछ पल आपके रिश्ते को और भी मजबूत बनाएंगे। लेकिन मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस होने की संभावना बन रही है। आपके अत्यधिक क्रोध से कोई बना हुआ काम बिगड़ भी सकता है, इसलिए आपको अपने गुस्से पर पूर्ण रूप से नियंत्रण रखना चाहिए।

तुला राशि: आज आप व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे। ऑफिस में उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आज करियर में आपको कोई बड़ी सफलता हासिल होगी। आपका सकारात्मक रवैया आपको जीवन में बेहतरी दिलायेगा। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे आपका कुछ अच्छा खाने का मन करेंगा लेकिन इस बात का खास खयाल रखें की जो आप खा रहे है वो हैल्दी हो। आपके घर-परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा। आपका आध्यात्मिकता की ओर रुझान बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि: आज आपको किसी से कोई उपहार मिलेगा। इससे आपका मन खुश रहेगा। आज परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर बना रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। कुछ लोग आपसे प्रभावित होंगे , साथ ही वो आपसे जुड़ने की कोशिश भी करेंगे। आज बिजनेसमैन को बेहतर मौका मिलेगा। आज आप में कॉन्फिडेंस ज्यादा रहेगा। आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

धनु राशि: आज आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। करियर को आगे बढ़ने में आपको अपने गुरु का सहयोग प्राप्त होगा। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको सुबह के समय टहलना चाहिए। आप नकारात्मक सोच रखकर स्वयं को थोड़ा उदास रख सकते हैं। परिवार वालों के साथ किसी टूर का प्लान बनाएंगे। लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

मकर राशि: आज आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आप जरूरतमंद लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ेंगे। किसी भी तरह के बड़े निवेश में किसी अनुभवी की सलाह लेना बेहतर रहेगा छात्रों को अधिक मेहनत करने की जरूरत है। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। आज आपको मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिलेगी। आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहेगा, जिससे काम में मन थोड़ा कम ही लग पाएगा।

कुंभ राशि: आज आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता हो सकती है। आज नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिलेंगे। आपको व्यापार में मुनाफा होने की उम्मीद है। स्टूडेंट्स को अपने सब्जेक्ट में आ रही प्रॉब्लम्स का हल मिलेगा। परिवारवालों के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बनाएंगे।

मीन राशि: सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार घर में रौनक का माहौल बना देगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है।

देश में बेरोजगारी की दर चिंताजनक

शशि झा

बेरोजगारी का मुद्दा 2014 से ही, जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार केंद्र में सत्तासीन हुई, नासूर बनता रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढने के बावजूद बेरोजगारी को लेकर विपक्षी दल भी लगातार हमलावर रहे हैं, और सरकार अक्सर बचाव की मुद्रा में खड़ी नजर आई है। सरकार का दावा है कि स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी उसकी नीतियों और कार्यक्रमों या अंतरिक्ष और रक्षा सेक्टरों में सुधार के केंद्र में महिलाओं समेत देश की युवा आबादी है पर सरकारी आंकड़े ही उसके दावों की पोल खोलते नजर आते हैं। नवम्बर के आखिर में लोक सभा में एक प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-24 में भारत में 15-29 वर्ष के युवाओं के बीच बेरोजगारी दर 10.2 फीसद थी।विडंबना यह है कि एक तरफ जहां देश में बेरोजगारी की दर चिंताजनक है, वहीं केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों में लाखों रिक्तियां खाली पड़ी हैं, जिन्हें भरा नहीं जा रहा है। इनमें इसरो, रेलवे, गृह मंत्रालय जैसे अहम मंत्रालय और विभाग भी शामिल हैं। सुरक्षा ढांचा और इससे जुड़े बलों में बड़े स्तर पर पदों को न भरे जाने की वजह से पिछले दिनों संसद की सुरक्षा में सेंध लगने की भी खबरें आई। बेरोजगारी की समस्या के इतने गंभीर होने के बावजूद रिक्तियों को भरने की जगह बड़ी संख्या में सरकारी विभागों में निम्न श्रेणी में संविदा पर कर्मचारियों जबकि वरिष्ठ पदों पर सलाहकारों की भर्ती से काम चलाया जाता है।

सरकार बेशक, दावा करती रही है कि पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना निरंतर प्रक्रिया रही है, और उनके विवरण संबंधित मंत्रालयों, विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (एसएससी), रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड (आरआरबी), इंस्टीच्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन (आईबीपीएस) आदि जैसी संबंधित रिक्रूटमेंट एजेंसियों के पास होते हैं। सरकार समय-समय पर और समयबद्ध तरीके से मिशन मोड में उन्हें भरने के लिए मंत्रालयों और विभागों को निर्देश देती रहती है, और इसी क्रम में उन्हें भरने के लिए रोजगार मेलों का देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में आयोजन करती रहती है।हाल में आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार, देश के लगभग 80 विभागों में लगभग 10 लाख से अधिक पद रिक्त हैं। इनमें इसरो, रेलवे, गृह मंत्रालय जैसे

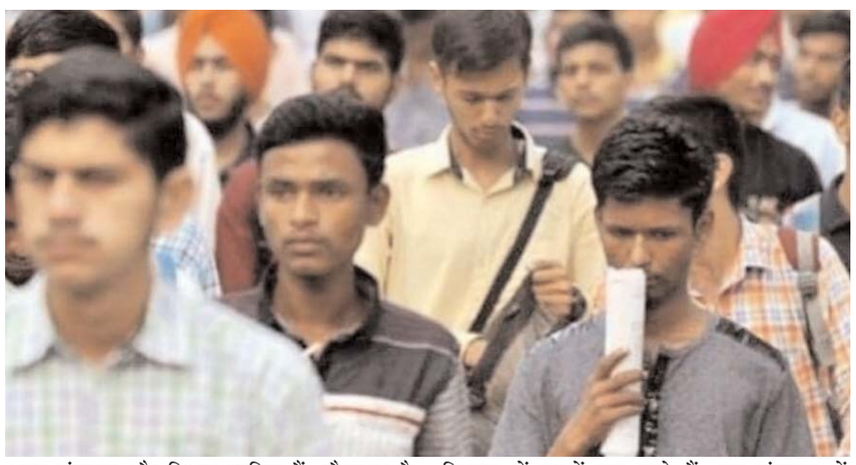

अहम मंत्रालय और विभाग शामिल हैं। गौरतलब है कि भारत विविध प्रकार के श्रम बलों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्याओं में से एक है, पर बेरोजगारी दर भारतीय अर्थव्यवस्था को व्यय, आर्थिक वृद्धि, रोजगार के अवसरों आदि में कमी जैसे कई प्रकार से प्रभावित करती रही है। जाहिर है कि अगर बेरोजगारी दर अधिक है, तो इससे आर्थिक प्रगति में बाधा पहुंचती है, और इसकी वजह से सामाजिक अशांति भी फैल सकती है जबकि अगर बेरोजगारी दर कम है, तो इससे उन्नतिशील रोजगार बाजार और बढ़ती अर्थव्यवस्था का संकेत मिलता है। देश के नीति-निर्धारकों का फोकस रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति के लिए रणनीतियां बनाने पर रहता तो है पर उसके ज्यादा सार्थक परिणाम निकलते दिखाई नहीं दे रहे। उदाहरण के तौर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में आवश्यक पदों पर रिक्तियों की कमी तत्काल और विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल से लोगों को वंचित रखती है। सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में लगभग 50 प्रतिशत रिक्त रहने का अनुमान है।

ग्रामीण क्षेत्रों में तो यह कमी और भी अधिक है, जहां 80 प्रतिशत तक पद रिक्त पड़े हैं। यही वजह है कि हमारी ग्रामीण आबादी को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर तक बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। राज्य सभा में रेल मंत्री अिनी वैष्णव द्वारा दिए गए एक उत्तर के अनुसार, भारतीय रेल में 2.5 लाख से भी अधिक पद खाली पड़े हैं। जाहिर है कि इतने सारे पदों के रिक्त रहने से सुविधाएं भी प्राप्त नहीं होतीं और यात्रियों की सुरक्षा भी हमेशा सांसत में बनी रहती है। देश के विभिन्न न्यायालयों में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं जबकि न्यायाधीशों के हजारों पद रिक्त हैं। यही वजह है कि मामलों के निपटान में सालों लग जाते हैं। गृह मंत्रालय में सीआरपीएफ, बीएसएफ और दिल्ली पुलिस सहित विभिन्न संगठनों में लाख से अधिक पद रिक्त बताए जाते हैं। ये रिक्तियां हजारों की संख्या में ए, बी और सी जैसे विभिन्न ग्रुपों में हैं। त्रासदी यह है कि जहां देश के युवाओं में सरकारी नौकरियां पाने की मारामारी है, लगभग सभी सरकारी विभागों में बड़े पैमाने पर पद खाली पड़े हुए हैं, जिससे देश की दक्षता और कुशलता प्रभावित हो रही है। देश में नौकरी न मिलने के कारण युवा इस्त्राइल और दूसरे युद्ध प्रभावित देशों में रोजगार के लिए जाने और अपनी जान को दांव पर लगाने के लिए मजबूर हैं। सरकार की कोशिश कृषि के आधुनिकीकरण, ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास तथा ग्रामीण उद्योगों के लिए कौशल प्रशिक्षण जैसी ग्रामीण विकास संबंधी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के द्वारा इन क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं में वृद्धि करने की है।

सरकारी व्यय में वृद्धि, निजी निवेश को बढ़ाने, निजी-सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी) को प्रोत्साहित करने, व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने, शिक्षा और कौशल में बढ़ोतरी करने, खुद की व्यावसायिक क्षमता विकसित करने और प्रौद्योगिकी विकास पर फोकस करने के जरिए भी बेरोजगारी को कम किया जा सकता है। पदों के व्यापक स्तर पर रिक्त रहने के कारण सरकार के मंत्रालयों और दूसरे विभागों में वर्तमान कर्मचारियों के पास पहले से ही इतने अतिरिक्त काम हैं कि उनसे दक्षता की उम्मीद करना बेमानी है। पद रिक्त न रहें, इसके लिए भर्ती प्रक्रिया को युक्तिसंगत बनाने की आवश्यकता है ताकि तत्काल कार्रवाई करते हुए पदों के रिक्त होते ही उन्हें भरा जा सके।

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार, 02 जनवरी 2025, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

दिल्ली में कड़ाके की ठंड के बीच हवा खराब श्रेणी में पहुंची

नई दिल्ली (आरएनएस)। नए साल के पहले दिन दिल्ली की हवा खराब श्रेणी में रही। सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 239 दर्ज किया गया। जो खराब श्रेणी में माना जाता है।दिल्ली में सोमवार को वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ तथा बीते सप्ताह में हुई भारी वर्षा के बाद इसका स्तर मध्यम श्रेणी में पहुंच गया।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, नए साल के दिन दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8.05 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि साफ आसमान के बीच अधिकतम तापमान 17.98 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया।पोस्ट में बताया गया कि 2024 में अच्छे से मध्यम वायु गुणवत्ता वाले दिनों की संख्या अच्छी खासी दर्ज की गई। यह उपलब्धि 2020 (कोविड काल) के बाद

वायु गुणवत्ता प्रबंधन में निरंतर प्रगति को दर्शाता है।एक प्रेस विज्ञप्ति में, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने इस उपलब्धि का श्रेय 2024 में सभी हितधारकों द्वारा किए गए निरंतर और सहयोगात्मक प्रयासों को दिया। इस साल रिकॉर्ड 209 दिन ऐसे रहे जब एक्यूआई 200 से नीचे रहा, जो अच्छे से मध्यम श्रेणी में रहा।2024 के लिए दिल्ली का औसत एक्यूआई 2021 और 2022 की तुलना में दूसरे स्थान पर रहा।इस सुधार के पीछे एक उल्लेखनीय कारण धान की कटाई के साथ आग लगाने की घटनाओं में कमी लाना रहा है। जो परंपरागत रूप से प्रदूषण के स्तर में अचानक वृद्धि का कारण बनता है।सीएक्यूएम ने वायु गुणवत्ता को बनाए रखने और उसे और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। खेतों में आग लगने की घटनाओं की रिकॉर्ड कम संख्या और औद्योगिक, वाहन और अन्य उत्सर्जन को रोकने के लिए समन्वित उपायों ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।ठंड के मौसम में यह सुधार प्रदूषण से निपटने और लोगों के लिए स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने की दिल्ली की निरंतर प्रतिबद्धता का एक आशाजनक संकेत है।

असम के नागांव जिले में 2025 की आध्यात्मिक शुरुआत के लिए नए साल का आशीर्वाद लेने के लिए भक्त महामृत्युंजय मंदिर में एकत्रित हुए।

अनियंत्रित होकर बाइक नहर में गिरी, तीन युवकों की मौत

सासाराम (आरएनएस)। बिहार के रोहतास जिले के सूर्यपुरा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक बाइक के अनियंत्रित होकर नहर में गिरने से तीन युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, सासाराम के सूर्यपुरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक अपनी बहन के घर नटवार गांव उसका जन्मदिन मनाने गए थे और देर रात वापस गुनसेज गांव आ रहे थे। इस बीच, रास्ते में ही बाइक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। सुबह में जब कुछ लोग उस सड़क की ओर निकले तब लोगों ने शव देखा और घटना की जानकारी हुई। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को भी दी गई।घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घटना के बाद सूर्यपुरा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया है। मृतकों की पहचान प्रियांशु कुमार (25) पिता मुद्रिका सिंह, अंकित कुमार (22) पिता संजय सिंह और शशिरंजन उर्फ मनु कुमार (23) पिता रामेश्वर सिंह के रूप में की गई है। मृतक के परिजन विकास कुमार ने कहा कि तीनों साथ में बाइक पर बहन से मिलने गए थे और वहां से आने के दौरान यह घटना घटी। घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। गांव में एक जनवरी नए वर्ष के आगमन की खुशी मातम में बदल गई।

बलिया में मंत्री संजय निषाद के काफिले की एक गाड़ी पलटी, पांच घायल

बलिया (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश बलिया के खेजुरी थाना क्षेत्र के पास मंगलवार की देर रात्रि निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद के काफिले के संग चल रही एक गाड़ी पलट गयी। जिसमें पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को काफिले के संग चल रहे लोगों ने आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया।निषाद पार्टी के सोशल मीडिया प्रभारी और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के सहयोगी राकेश निषाद ने बताया कि हम लोग मंत्री जी के काफिले में चल रहे थे कि अचानक मोड़ आने पर गाड़ी पलट गई और गाड़ी सवार पांच लोग घायल हो गए। हालांकि हम लोगों को भगवान ने बचा लिया। उन्होंने बताया कि संवैधानिक रथ यात्रा में शामिल होने के लिए गोरखपुर से बलिया निकले थे। तभी यह हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि हादसे में कुल पांच लोग घायल हुए हैं। जिसमें तीन अभी भर्ती हैं जबकि दो लोग रात में डिस्चार्ज हो गए हैं। अभी सभी लोग ठीक हैं। हादसे के समय मंत्री जी की गाड़ी आगे थी। जब घायल हुए तो वह हम लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने आए थे। वह रातभर अस्पताल में बैठे थे। सभी लोग अलग-अलग जिले के रहने वाले हैं। मंत्री संजय निषाद ने बताया कि यह लोग गाड़ी से पीछे चल रहे थे कि अचानक जानवर आ गए। उन्हें बचाने के चक्कर में यह हादसा हो गया। हल्की चोटें आई थी। सभी का इलाज करवाया जा रहा है।

आम आदमी पर पड़ रही चौतरफा टैक्स और महंगाई की मार : हुड्डा

चंडीगढ़ (आरएनएस)। सड़क निर्माण की लागत 2747 करोड़ रुपए और वसूली 4489 करोड रुपए, फिर भी टोल को बंद नहीं किया जा रहा है। इस तरह हरियाणा की जनता से टोल के नाम पर हजारों करोड़ रुपए की लूट हो रही है। घग्गर टोल प्लाजा का उदाहरण देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने टोल टैक्स की लूट का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि आरटीआई के जरिए सामने आई ताजा जानकारी से स्पष्ट हो गया है कि बीजेपी सरकार से मिलीभगत कर कंपनियां टोल टैक्स के नाम पर लागत के मुकाबले कई गुना ज्यादा मुनाफा कूट रही हैं। आम जनता पर टैक्स और महंगाई की मार पड़ती जा रही है और सरकार सबकुछ देखकर भी अनदेखा कर रही है।

हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कुल 57 टोल प्लाजा आज की तारीख में वसूली करने में लगे हैं। घग्गर और घरौंडा टोल की टैक्स कलेक्शन की समय अवधि खत्म हो चुकी है। यहां से कंपनियां लागत के मुकाबले कहीं ज्यादा मुनाफा कमा चुकी हैं। बावजूद इसके यहां आम जनता से करोड़ों रुपये की वसूली जारी है। प्रदेश में ऐसे कई टोल प्लाजा हैं, जिनकी या तो मियाद पूरी हो चुकी है या फिर लागत और मुनाफा। नियमों के मुताबिक उनको बंद किया जाना चाहिए। लेकिन सरकार की मिलीभगत के चलते वाहन चालकों को अभी भी लूट का शिकार होना पड़ रहा है। नियम तो यह भी है कि दो टोल के बीच कम से कम 60 किलोमीटर की दूरी होनी चाहिए। लेकिन हरियाणा में जीटी रोड से लेकर सोहना और गुड़गांव में ऐसे कई टोल हैं, जहां 60 किलोमीटर से कम दूरी में अवैध वसूली हो रही है। हैरानी की बात यह है कि सरकार आरटीआई से जवाब मांगने पर ये तक बताने को तैयार नहीं है कि ये अवैध वसूली कबतक जारी रहेगी। जनता से यह बेरोकटोक लूट बंद होनी चाहिए।

नववर्ष में हम नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ विकसित राजस्थान की ओर होंगे अग्रसर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर मंगलवार को प्रदेशवासियों के नाम एक पत्र लिखकर भावपूर्ण संदेश दिया है। अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 हमारे देश और राजस्थान के लिए अनेक उपलब्धियों और गर्व भरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ और करोड़ों देशवासियों की अभिलाषा पूरी हुई।

राजस्थान के लिए भी वर्ष 2024 रहा उपलब्धियों भरा

शर्मा ने कहा कि राजस्थान के लिए भी 2024 उपलब्धियों का वर्ष रहा। वर्षों से लंबित ईआरसीपी (पीकेसी) लिंक परियोजना की सौगात हमें इस वर्ष प्राप्त हुई। साथ ही, देवास परियोजना का काम शुरू होने तथा यमुना जल समझौते से प्रदेश के विकास और जल संकट के स्थाई समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनते ही हमने युवाओं को पेपरलीक के अभिशाप से मुक्ति दिलाते हुए भर्ती माफिया तंत्र का अंत किया और पेपरलीक मुक्त परीक्षाओं का सफलतापूर्वक

आयोजन किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहली बार भर्ती परीक्षाओं का 2 साल का कैलेंडर जारी करते हुए युवाओं को मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के माध्यम से रोजगार भी प्रदान किए।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन किया, जिसमें 35 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इससे प्रदेश के औद्योगिक विकास को अभूतपूर्व गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी राजस्थान देश का अग्रणी प्रदेश बना है। हमारे किसान भाइयों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाइवे बनाने के निर्णय से प्रदेश के विकास को नई दिशा मिलेगी। इन सभी निर्णयों और केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य की नींव रखी गई है।

राज्य सरकार ने विभिन्न वर्गों के हित में लिए कई कल्याणकारी फैसले

शर्मा ने कहा राज्य सरकार ने राज्य के विभिन्न वर्गों के हित में कई कल्याणकारी फैसले लिए हैं। जिनमें किसानों की सम्मान निधि बढ़ाना, मातृवंदन योजना के तहत साढ़े चार लाख महिलाओं को सहायता, एक हजार नए आंगनबाड़ी केंद्र और बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू करना तथा 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने जैसे निर्णय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, मा वाउचर योजना और रामाश्रय वार्ड की स्थापना से हमने स्वास्थ्य क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं। साथ ही, 35 हजार जरूरतमंदों को जमीन के पट्टे, 1 लाख 80 हजार घरों के निर्माण की स्वीकृति तथा 10 लाख परिवारों को पेयजल कनेक्शन देकर उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाने का प्रयास किया गया है।

महाराष्ट्र के जलगांव में दो गुटों के बीच पथराव-आगजनी, कर्फ्यू लगाया गया

जलगांव (आरएनएस)। महाराष्ट्र के जलगांव जिला स्थित पलाधी गांव में बीती रात दो गुटों के बीच टकराव के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया है। यह विवाद वाहन के हॉर्न बजाने को लेकर शुरू हुआ।

कथित तौर पर विवाद तब शुरू हुआ जब शिवसेना मंत्री गुलाबराव पाटिल के परिवार को ले जा रहे वाहन चालक ने हॉर्न बजाया, जिससे लोग नाराज हो गए।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कहासुनी मंगलवार साढ़े नौ बजे के यह विवाद मारपीट में बदल गया और जल्द ही इसने पथराव और आगजनी का रूप ले लिया। गुस्साई भीड़ ने दुकानों और वाहनों में आग लगा दी और पथराव किया।

घटना के बाद जलगांव के विभिन्न इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने इस मामले में 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और करीब 10 लोगों को हिरासत में लिया है। एहतियातन कर्फ्यू लगा दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

जलगांव एएसपी कविता नेरकर ने बताया कि गांव में अब किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति पैदा ना हो इसके लिए बुधवार शाम तक के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। साथ ही गांववालों से अपील की गई कि कोई भी कानून के खिलाफ ना जाए। अगर कोई भी कानून के खिलाफ गया, तो उसके खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नागपुर पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया.

अरविंद केजरीवाल ने मोहन भागवत को लिखी चिट्ठी, संघ प्रमुख से पूछे कई सवाल

नई दिल्ली(आरएनएस)। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखा। पत्र में केजरीवाल ने लिखा है, भाजपा ने अतीत में जो भी गलत किया है, क्या आरएसएस उसका समर्थन करता है? भाजपा नेता खुलेआम पैसे बांट रहे हैं, क्या आरएसएस वोट खरीदने का समर्थन करता है? दलित और पूर्वांचली वोट बड़े पैमाने पर काटे जा रहे हैं, क्या आरएसएस को लगता है कि यह लोकतंत्र के लिए सही है?अरविंद केजरीवाल और बीजेपी एक दूसरे पर वोटर्स लिस्ट को लेकर आरोप लगा रहे हैं. केजरीवाल ने इससे पहले कहा कि बीजेपी दिल्ली में वोट कटवा रही है. जो सही मतदाता हैं, उनके वोट काटने की साजिश की जा रही है. साथ ही पूर्व सीएम ने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में इनका (बीजेपी का) ऑपरेशन लोटस 15 दिसंबर से चल रहा है. इन 15 दिनों में इन्होंने लगभग 5000 वोटों को डिलीट करने और 7500 वोटों को जोड़ने के लिए आवेदन किया है.बीजेपी ने भी आप पर निशाना साधा है. बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने

कहा, 2014 में जब चुनाव हुए थे तब दिल्ली में वोटर्स की संख्या 1 करोड़ 19 लाख थी. इसके बाद 2015 में यह संख्या बढ़कर 1 करोड़ 33 लाख हो गई है. बढ़े हुए 14 लाख लोगों को कौन लाया और कहां से आए इसका कोई जवाब नहीं है.आम आदमी पार्टी ने दिल्ली चुनाव के लिए 70 की 70 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है. सीएम आतिशी कालकाजी से चुनाव लड़ रही हैं और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली से मैदान में उतरे हैं. वहीं, दूसरी तरफ अभी बीजेपी ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं और उम्मीदवारों के नामों का ऐलान नहीं किया है।

नए साल पर शिमला पहुंचे पर्यटक, बर्फबारी का कर रहे इंतजार

शिमला (आरएनएस) । नए साल से पहले हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है। शिमला में पर्यटक नए साल के बीच बर्फबारी का आनंद लेने भी पहुंचते हैं। इस बार बर्फबारी में देरी की वजह से पर्यटक इंतजार कर रहे हैं। इन दिनों यहां होटल 90 फीसदी तक भरे हैं। अनुमान के मुताबिक, अगर पर्यटकों का तांता ऐसे ही लगा रहा तो 31 दिसंबर तक होटल पूरी तरह भर जाएंगे। नए साल की छुट्टियां मनाने के लिए पर्यटक शिमला के प्रमुख आकर्षण स्थलों पर जा रहे हैं और बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं। होटल और रिसॉर्ट्स में रुकने के लिए बड़ी संख्या में बुकिंग हो चुकी है। शिमला के वातावरण में खुशी और उत्साह का माहौल है, और पर्यटक इस समय यहां के सुंदर दृश्य और ताजगी का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं।दिल्ली के दिलशाद गार्डन के रहने वाले मोहम्मद साद ने बताया, जब हम यहां पहुंचे थे, तो बर्फबारी हो रही थी और न्यू ईयर मनाने के लिए हम शिमला आए थे। हमने क्रिसमस का जश्न यहां नहीं मनाया, लेकिन न्यू ईयर इंजॉय करने के लिए यहां आए हैं। अभी माल रोड पर बहुत भीड़ है, और लोग वहां घूमने जा रहे हैं।

नोएडा : तीन अलग-अलग थानों की पुलिस ने मुठभेड़ में छह बदमाशों को किया गिरफ्तार

नोएडा (आरएनएस)। नोएडा में नए साल का आगाज होते ही तीन अलग-अलग थानों की पुलिस ने बीती देर रात मुठभेड़ में छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से अवैध हथियार, चोरी की बिना नंबर प्लेट की बाइक और चोरी का अन्य सामान बरामद हुआ है। पहला एनकाउंटर थाना फेस-2 पुलिस और मोबाइल टावरों के आरआरयू और अन्य कीमती उपकरण चोरी करने वाले वांछित बदमाश के साथ हुई। पुलिस के मुताबिक 1 जनवरी को थाना फेस-2 नोएडा पुलिस द्वारा केंट आरओ चौराहे पर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक बिना नम्बर की बाइक पर सवार व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया जो नहीं रुका और तेजी से निम्मी विहार की तरफ भागने लगा। जिस पर पुलिस ने उसका पीछा किया। अपने आप को घिरता देख बदमाश ने हथियार से पुलिस बल पर फायर कर दिया। पुलिस द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में बदमाश विकास उर्फ टोई (24) गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश के कब्जे से 1 देशी तमंचा .32 बोर, 1 खोखा कारतूस .32 बोर, 1 जिंदा कारतूस .32 बोर और 1 चोरी की बाइक बिना नम्बर प्लेट बरामद हुई है।पुलिस ने बताया है कि विकास उर्फ टोई का मोबाइल टावर के आरआरयू चोरी करने का एक गैंग है। जिसका एक साथी राशिद पहले ही गिरफ्तार किया गया था। जिसके साथ मिलकर विकास उर्फ टोई ने कई मोबाइल टावर के आरआरयू चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। इस पर अलग अलग थानों में चोरी के 18 मामले दर्ज हैं।दूसरे मामले में थाना फेस-1 पुलिस व बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना फेस-1 पुलिस टीम गोल चक्कर से आने वाले रास्ते पर गंदे नाले के ऊपर चेकिंग कर रही थी। तभी सामने से 2 व्यक्ति एक बिना नंबर प्लेट की मोटर साइकिल पर आते दिखाई दिये, पुलिस ने चैकिंग के लिए रोका तो वो नही रुके और बाइक को पीछे मोड़कर सेक्टर 14ए के पीछे से दिल्ली की तरफ जाने वाले गंदे नाले की पटरी पर भागने लगे।

नववर्ष 2025 सभी के लिए मंगलमय हो, विकास के पथ पर प्रदेश यूं ही आगे बढता रहे : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नववर्ष 2025 सभी के लिए मंगलमय हो, विकास के पथ पर प्रदेश यूं ही आगे बढता रहे तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में हरियाणा अपनी अग्रणी भूमिका निभाए। इसके लिए प्रदेश के सभी लोगों का सहयोग आवश्यक है। मुख्यमंत्री मंगलवार सांय अम्बाला शहर पुलिस लाईन मैदान में आयोजित पांच दिवसीय दिव्य गीता सत्संग के समापन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित कर रहे थे। श्री कृष्ण कृपा जीयो गीता परिवार के तत्वाधान में इस गीता सत्संग का आयोजन किया गया था। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिओ गीता को अपने स्वैच्छिक कोष से 11 लाख देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में 27 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक दिव्य गीता सत्संग का आयोजन हुआ है जिसमें सभी श्रद्धालुओं को श्रीमदभगवदगीता का ज्ञान मिला है।

स्टाइलिश बॉडीकॉन आउटफिट पहन भूमि पेडनेकर ने शेयर की हॉट फोटोज, अदाएं ऐसी की नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर अक्सर अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स इंटरनेट पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया के जरिए फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।भूमि पेडनेकर की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने बोट नेक आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बालों को वेवी स्टाइल लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती है तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।एक्ट्रेस अपने इस आउटफिट में स्टाइलिश नजर आ रही हैं। वहीं, कातिल अदाओं से फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं भूमि पेडनेकर ने एक से बढ़कर एक पोज देते हुए हॉट फोटोज क्लिक करवाई है। अपने इस आउटफिट के साथ उन्होंने ब्लैक कलर की ज्वैलरी पहनी हुई है।

पुष्पा 2 की बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई जारी, वाइल्डफायर ब्लॉकबस्टर ने दुनियाभर में 1750 करोड़ का आंकड़ा किया पार

पुष्पा 2: द रूल बॉक्स ऑफिस पर अपनी छाप छोड़ रही है. हालांकि फिल्म ने अपने चौथे सोमवार को कमाई में भारी गिरावट देखी. 26वें दिन फिल्म का कलेक्शन अब तक का सबसे कम रहा, लेकिन नए साल पर फिर से कमाई में उछाल आ सकता है. वहीं, मेकर्स ने जानकारी दी है कि पुष्पा 2 ने 25 दिनों में दुनिया भर में 1750 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. आंकड़ों के अनुसार, फिल्म आसानी से दुनिया भर में 1,800 करोड़ रुपये की कमाई कर सकती है.

बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 की रफ्तार अब धीमी होती जा रही है. सैकनिल्क के शुरुआती अनुमानों के अनुसार, पुष्पा 2 ने अपने पहले हफ्ते में 725.8 करोड़ रुपये, दूसरे हफ्ते में 264.8 करोड़ रुपये और तीसरे हफ्ते में 129.5 करोड़ रुपये कमाए. सुकुमार की निर्देशित फिल्म ने अपने चौथे शुक्रवार को 8.75 करोड़, चौथे शनिवार को 12.5 करोड़, चौथे रविवार को 15.65 करोड़ रुपये कमाए.

चौथे वीकेंड के बाद 26वें दिन फिल्म ने सभी भाषाओं में लगभग 6.65 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. यह फिल्म की अब तक सबसे कम कमाई है. इसके साथ ही, अल्लू अर्जुन की फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपने 26वें दिन तक कुल 1163.65 करोड़ की कमाई कर ली है.पुष्पा 2 के हिंदी शो की बात करें मेकर्स के अनुसार, अल्लू अर्जुन की फिल्म ने 25 दिनों में 770.25 करोड़ से ज्यादा कमाई की है. वहीं, चौथे सोमवार को पुष्पा 2 ने हिंदी बेल्ट में 5.25 करोड़ रुपये कमाए. 26 दिनों के बाद पुष्पा 2 का हिंदी बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 775.50 करोड़ रुपये हो गया है.मेकर्स ने बीते सोमवार को पुष्पा 2 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के बारे में अपडेट दिया है. उन्होंने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि सीक्नल ने दुनिया भर में 1,760 करोड़ रुपये कमाए हैं. एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अल्लू अर्जुन का पोस्टर का शेयर करते हुए लिखा है, पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी रिकॉर्ड तोड़ कमाई जारी रखी. वाइल्डफायर ब्लॉकबस्टर ने सिर्फ 25 दिनों में दुनिया भर में 1760 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया. पुष्पा 2 वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की फिल्म बाहुबली 2, जिसने 1788.06 करोड़ ग्रॉस कलेक्शन किया है, को मात देने के लिए तैयार है.पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहद फासिल, जगपति बाबू और राव रमेश महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं. सुकुमार की निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को तेलुगू, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम समेत कई भाषाओं में रिलीज हुई.

फिल्म डाकू महाराज के तीसरे गाने की रिलीज डेट से पर्दा उठा, नंदमुरी बालकृष्ण-उर्वशी रौतेला का पोस्टर जारी

अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण की नई फिल्म एनबीके 109 का आधिकारिक शीर्ष डाकू महाराज है, जिसके घोषणा पहले ही की जा चुकी है। अब फैंस के बीच उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्माता लगातार डाकू महाराज से जुड़ी नई जानकारियां और झलकियां साझा कर रहे हैं। फिल्म के दो गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं और अब निर्माता इसके तीसरे गाने की रिलीज की तैयारियां कर रहे हैं।अब निर्माताओं की फिल्म के तीसरे गाने की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि डाकू महाराज का तीसरा गाना 4 जनवरी, 2025 को यूएसए प्री-रिलीज इवेंट के दौरान रिलीज किया जाएगा, जो कि भारतीय समय के अनुसार 5 जनवरी, 2025 को होगा। फिल्म का तीसरा गाना थमन द्वारा रचित एक उच्च-ऊर्जा मास ट्रैक है, जो फैंस को खूब पसंद आएगा। उत्साह बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने बालकृष्ण और उर्वशी रौतेला के साथ एक खास पोस्टर जारी किया है।

सुरभि ज्योति की सीरीज गुनाह 2 की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, नया टीजर आया सामने

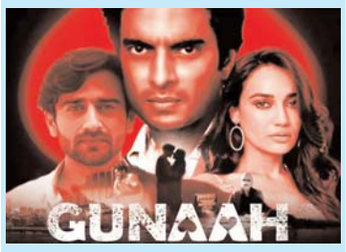

सुरभि ज्योति और गश्मीर महाजनी की वेब सीरीज गुनाह के दूसरे सीजन का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा।गुनाह 2 का टीजर पहले ही सामने आ चुका है। आखिरकार अब इसकी रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है।इसके साथ निर्माताओं ने गुनाह 2 का नया टीजर जारी कर दिया है, जिसे प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं।आइए बताते हैं इस सीरीज को आप कब और कहां देख पाएंगे।

गुनाह 2 का प्रीमियर 3 जनवरी, 2025 से ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने टीजर साझा करते हुए लिखा, प्यार ने शुरू की थी कहानी, लेकिन बदले ने लिखा इसका अंजाम।बता दें कि गुनाह के पहले सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। यह सीरीज 3 जून, 2024 को डिज्नी+ हॉस्टार पर रिलीज हुई थी। इसमें कुल 25 एपिसोड थे।इस सीरीज में अभिनेता जैन इबाद खान भी नजर आए थे।

वेलकम टू द जंगल के मेगा शेड्यूल से उठा पर्दा, अक्षय कुमार और टीम ने कसी कमर

वेलकम टू द जंगल 2025 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अक्षय कुमार और अन्य कलाकारों से सजी यह कॉमिक फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, निर्माताओं ने फिल्म की नाटकीय रिलीज को अगले साल तक के लिए टाल दिया। अहमद खान के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर आया नया अपडेट उत्साह बढ़ाने वाला है। फिल्म की शूटिंग का मेगा शेड्यूल तैयार किया गया है।

वेलकम टू द जंगल को लेकर नवीनतम विकास यह है कि एक मेगा शेड्यूल दुबई में शूट किया जाएगा। टीम ने अगस्त 2024 में मुंबई और कश्मीर में फिल्म का मैराथन शेड्यूल पूरा किया। और अब, वे दुबई में अंतर्राष्ट्रीय शेड्यूल शुरू करेंगे। निर्देशक अहमद खान ने खुलासा किया कि मेगा शेड्यूल जल्द ही दुबई में शुरू होगा।

अहमद खान ने साझा किया, अबू धाबी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दर्शक सिनेमाई असाधारणता और असीमित मनोरंजन की उम्मीद कर सकते हैं। टीम ने पहले से ही रेकी के लिए यात्रा करने का कार्यक्रम भी बना लिया है। दूसरी ओर, निर्माता फिरोज नाडियाडवाला ने कहा कि कॉमिक फिल्म की शूटिंग संयुक्त अरब अमीरात के प्रभावशाली स्थानों पर की जाएगी।

फिरोज नाडियाडवाला ने कहा, फिल्म के एक्शन सीन और गाने को संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिष्ठित स्थानों पर कई विदेशी एक्शन, स्टंट क्रू और डांसरों के साथ उन स्थानों पर शूट किया जाएगा, जहां आज तक हाई ऑक्टेन हॉलीवुड फिल्मों को भी शूटिंग की सुविधा नहीं दी गई है। फिलहाल, टीम शूटिंग स्थानों के अधिकार और परमिट प्राप्त करने पर काम कर रही है। फिल्म के बारे में बात करें तो इसमें 34 कलाकारों सहित कई स्टार कलाकार शामिल हैं। मेकर्स ने फिल्म की 70 फीसदी शूटिंग पहले ही पूरी कर ली है।

परेश रावल, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, शाइरब हाशमी, श्रेयस तलपड़े, अरशद वारसी, मुकेश तिवारी और अन्य सितारे वेलकम टू द जंगल का हिस्सा हैं। फिल्म 2025 में सिल्वर स्क्रीन पर दस्तक देने वाली है।

फ्लॉप फिल्म के बावजूद छाई वामिका गब्बी, बेबी जॉन से बनीं नई नेशनल क्रश और इंटरनेट सेंसेशन

हाल ही में रिलीज हुई वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन को लेकर उम्मीदें तो बड़ी थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने खास कमाल नहीं किया. जब ट्रेलर आया था, तब लगा था कि फिल्म बंपर कलेक्शन करेगी, लेकिन मेकर्स की उम्मीदों पर पानी फिर गया है. हालांकि, फिल्म भले ही फ्लॉप हो गई हो, लेकिन इसमें एक्ट्रेस वामिका गब्बी की चर्चा हर तरफ हो रही है.वामिका गब्बी ने बेबी जॉन से बॉलीवुड में कदम रखा है और उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों को दीवाना बना दिया है. वामिका को उनकी खूबसूरत आंखों और शानदार अदाकारी के लिए खूब तारीफ मिल रही है. यही वजह है कि उन्हें अब नई नेशनल क्रश कहा जा रहा है.वामिका गब्बी इससे पहले तमिल, मलयालम और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं. उन्होंने मलयालम फिल्म गोधा और तमिल फिल्म नेराथु मसक्कम से काफी पॉपुलैरिटी हासिल की थी. वामिका ने जब वी मेट में भी एक छोटा किरदार निभाया था.सोशल मीडिया पर भी वामिका खूब एक्टिव रहती हैं और उनकी पोस्ट्स को फैंस का खूब प्यार मिलता है. वामिका की पॉपुलैरिटी बेबी जॉन के बाद और ज्यादा बढ़ गई है.फिल्म का पहला वीकेंड अभी बाकी है और देखने वाली बात होगी कि वीकेंड पर फिल्म का कलेक्शन कैसा रहता है. हालांकि, अब तक फिल्म का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है. बेबी जॉन के फ्लॉप होने के बावजूद वामिका गब्बी इस फिल्म की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं.

बॉक्स ऑफिस पर बेदम बेबी जॉन मंडे टेस्ट में चारों खाने चित, लगातार गिर रही वरुण धवन की फिल्म की कमाई

वरुण धवन की नई एक्शन फिल्म बेबी जॉन बॉक्स ऑफिस फ्लॉप होती दिख रही है. एक हफ्ते से पहले ही फिल्म का कलेक्शन ग्राफ गिरता जा रहा है. एटली की निर्मित फिल्म ने पहले मंडे टेस्ट में खरी नहीं उतरी. इसने रिलीज के छठवें दिन सबसे कम कमाई है. यह बेबी जॉन का सबसे कम कलेक्शन किया है.कलीज की निर्देशित फिल्म बेबी जॉन बॉक्स ऑफिस कुछ खास परफॉर्म नहीं कर रही है. इसने सिर्फ ओपनिंग डे पर डबल डिजिट में कमाई की. इसके बाद से इसका कलेक्शन का ग्राफ करते जा रहा है. ओपनिंग डे को छोड़कर इसने अब तक 5 करोड़ से भी कम कमाई की है. रिलीज के छठे दिन इसने सबसे कम कमाई की. सैकनिल्क के मुताबिक, बेबी जॉन ने फर्स्ट मंडे टेस्ट में 1.85 करोड़ रुपये कमाए है, जो फिल्म की अब तक की सबसे कम कमाई है. 6 दिनों के बाद इसकी कुल कमाई 30.50 करोड़ रुपये हो गई है.

न्यू ईयर पर अपने प्रियजनों को दें ये खास तोहफे, खिल उठेगा चेहरा

नया साल हर किसी के जीवन में नई उम्मीदें, खुशियां, नए लक्ष्य जैसी कई चीजों को लेकर आता है. यही वह समय है जब हम अपने परिवार, दोस्तों के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करने का प्रयास करते हैं. ऐसे में नए साल पर अपनो को खास तरीके से विश करना और एक अच्छा तोहफा देना रिश्तों में मिठास का सबसे अच्छा तरीका है. आज हम आपको इस लेख में नए साल अपनों को गिफ्ट देने के लिए कुछ खास गिफ्ट के बारे में बताएंगे जिसे आप नए साल पर दे सकते हैं...

इस खास तरीके से करें विश-

डिजिटल कार्ड बनवाएं

आप नए साल के खास मौके पर एक डिजिटल न्यू ईयर कार्ड बनवा सकते हैं. इस कार्ड में उनके लिए आपकी शुभकामनाएं और कुछ मजेदार फोटोज़ शामिल कर लें.

नए साल पर अपनों को दें ये खास तोहफे-

डायरी

नया साल एक नई शुरुआत के साथ होता है. ऐसे में आप एक खूबसूरत डायरी अपनो को नए साल पर गिफ्ट कर सकते हैं. डायरी उपयोगी और प्रेरणादायक तोहफा हो सकता है.

घर सजाने के समान

नए साल पर आप घर सजाने के लिए खूबसूरत कैंडल्स, वॉल हैंगिंग्स, या प्लांट्स अपनों को गिफ्ट कर सकते हैं. ये किसी को भी देने के लिए बेहद खास हो सकते हैं.

ज्वेलरी

आप नए साल पर महिलाओं के लिए ज्वेलरी और पुरुषों के लिए वॉच या लेदर वॉलेट गिफ्ट करें. ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते और आसानी से हर किसी को भी पसंद आ जाते हैं.

कस्टमाइज्ड गिफ्ट्स

नए साल पर आप आपनो को कस्टमाइज्ड मग, कुशन, फोटो फ्रेम, या पेन सेट गिफ्ट कर सकते हैं. इसपर नाम या कोई खास मैसेज प्रिंट करवा सकते हैं.

हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स

सर्दियों के मौसम में फिटनेस और स्वास्थ्य का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है. ऐसे में आप नए साल पर फिटनेस बैंड, ग्रीन टी किट, या स्पा सेट दे सकते हैं.

क्या है नॉर्डिक वॉकिंग? जानिए इससे जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

नॉर्डिक वॉकिंग एक खास चलने की तकनीक है, जिसमें पोल्स का इस्तेमाल होता है। यह एक्सरसाइज पैरों के साथ पूरे शरीर को सक्रिय करता है।फिनलैंड में शुरू हुई यह तकनीक अब दुनिया भर में लोकप्रिय हो रही है। नॉर्डिक वॉकिंग हृदय की धड़कन बढ़ाकर और रक्त संचार सुधारकर हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है।इसके अलावा यह जोड़ों पर कम दबाव डालती है, जिससे हर उम्र के लोग इसे आसानी से कर सकते हैं।

नॉर्डिक वॉकिंग कैसे करें ?

नॉर्डिक वॉकिंग करते समय सही तकनीक का पालन करना जरूरी होता है।सबसे पहले पोल्स को शरीर के पास रखें और उन्हें हल्के झुकाव पर आगे की ओर धकेलें। चलते समय हाथों और पैरों का तालमेल बनाए रखें ताकि पूरा शरीर सक्रिय रहे। ध्यान दें कि आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और कंधे आरामदायक स्थिति में हों।शुरुआत में धीमी गति से चलें और धीरे-धीरे अपनी गति बढ़ाएं ताकि आपका शरीर इस नई गतिविधि के साथ तालमेल बिठा सके।

नॉर्डिक वॉकिंग के फायदे

नॉर्डिक वॉकिंग हृदय स्वास्थ्य को सुधार सकती है क्योंकि इससे हृदय की धड़कन तेज होती है और रक्त संचार बेहतर होता है।इसके अलावा यह एक्सरसाइज कैलोरी जलाने में मदद करता है, जिससे वजन घटाने में सहायता मिल सकती है।नॉर्डिक वॉकिंग करने से मांसपेशियों की मजबूती भी बढ़ती हैं क्योंकि इसमें पूरे शरीर का उपयोग होता हैं।साथ ही इस एक्सरसाइज से जोड़ों पर कम दबाव पड़ता हैं, जिससे इसे बुजुर्ग लोग भी आसानी से कर सकते हैं।

एक्सरसाइज करते समय बरतें ये सावधानियां

जब आप नॉर्डिक वॉकिंग शुरू करें तो कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है ताकि चोट से बचा जा सके।इसके लिए सही आकार के पोल्स का चयन करें, जो आपकी ऊंचाई के अनुसार हों। इससे संतुलन बनाने में मदद मिलेगी।हमेशा सपाट सतह पर चलें जहां फिसलने का खतरा कम हो।अगर आप पहली बार इस एक्सरसाइज को कर रहे हैं तो किसी प्रशिक्षित व्यक्ति की सलाह लें। यह सुनिश्चित करेगा कि आप सही तकनीक अपनाएं और सुरक्षित रहें।

अन्य एक्सरसाइज जोड़कर विविधता लाएं

अगर आप अपनी फिटनेस रूटीन में विविधता लाना चाहते हैं तो नॉर्डिक वॉकिंग के साथ कुछ अन्य एक्सरसाइज भी जोड़ सकते हैं।उदाहरण के लिए स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज जैसे योग या पाइलेट्स आपके मांसपेशियों को लचीला बनाएंगे।इसके अलावा हल्की दौड़ या साइक्लिंग जैसी कार्डियो एक्सरसाइज भी शामिल कर सकते हैं, जो आपके हृदय स्वास्थ्य को और बेहतर बनाएंगी।इन सभी एक्सरसाइज का संयोजन आपको एक संतुलित फिटनेस रूटीन प्रदान करेगा, जिससे आपका शारीरिक विकास होगा ।

एक जनवरी से नया पर्यटक टैक्स लागू, कोयले पर निर्यात शुल्क हटाया गया

मॉस्को ,(आरएनएस)। रूस में बुधवार से एक नया पर्यटक टैक्स लागू हो गया है, जो रिसॉर्ट शुल्क को रिप्लेस करेगा।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि 1 जनवरी 2025 से, होटल्स और अन्य आवास में ठहरने वाले यात्रियों को अपने ठहरने की लागत का अतिरिक्त 1 प्रतिशत देना होगा, जिससे क्षेत्रीय पर्यटन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की चरणबद्ध योजना की शुरुआत होगी।

यह टैक्स जुलाई 2024 में रूसी टैक्स संहिता में किए गए संशोधनों के तहत पेश किया गया, जिसमें पर्यटन कर (टूरिस्ट टैक्स) नाम एक नया अध्याय जोड़ा गया था। इस अध्याय के तहत क्षेत्रीय अधिकारियों को स्थानीय शुल्क के रूप में इस टैक्स को लागू करने का अधिकार मिल गया। कई क्षेत्र, विशेष रूप से वे जो स्थापित या उभरते हुए पर्यटन उद्योगों वाले हैं, पहले ही इसे अपना चुके हैं।

पर्यटक टैक्स 2025 में 1 प्रतिशत की दर से शुरू होगा और 2027 तक धीरे-धीरे बढ़कर 3 प्रतिशत हो जाएगा। एक न्यूनतम दैनिक शुल्क के रूप में 100 रूबल (0.9 अमेरिकी डॉलर) निर्धारित किया गया है, जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि एक न्यूनतम योगदान प्राप्त हो।हालांकि, होटल और अन्य आवास प्रदान करने वाले तकनीकी रूप से करदाता हैं, लेकिन यह लागत आवासों की कीमत में शामिल की जाएगी, जिससे यह टैक्स अंतत: पर्यटकों पर डाला जाएगा। इसके अलावा, स्थानीय मीडिया ने बुधवार को बताया कि रूस ने 1 जनवरी, 2025 से एन्थ्रेसाइट, कोकिंग कोल और थर्मल कोल पर निर्यात शुल्क भी आधिकारिक तौर पर हटा दिया है।

उत्तर कोरिया बना रहा चार हजार टन वजनी युद्धपोत, खतरनाक मिसाइलों से होगा लैस : सोल

सोल,(आरएनएस)। उत्तर कोरिया ने एक चार हजार टन वजनी फ्रिगेट का निर्माण शुरू किया है। यह वर्टिकल लॉन्चिंग सिस्टम से लैस है। दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार, प्योंगयांग अपने परमाणु और मिसाइल हथियारों को आगे बढ़ाना चाहता है।

समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने किम जोंग-उन की एक शिपयार्ड का दौरा करने के दौरान की तस्वीरें शेयर की थीं, जहां नए युद्धपोत का निर्माण किया जा रहा है। इसके एक दिन बाद यह आकलन सामने आया है।

उत्तर कोरिया के पश्चिमी बंदरगाह शहर का जिक्र करते हुए एक सैन्य अधिकारी ने कहा, उत्तर कोरिया नैम्फो में 4 हजार टन का फ्रिगेट बना रहा है। जहाज के आकार से, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह (जहाज से जमीन पर मार करने वाली) मिसाइल ले जाने में सक्षम है।

हालांकि, अधिकारी ने कहा कि उत्तर कोरिया को इस पोत का निर्माण पूरा करने में कई साल लग सकते हैं। पोत को परिचालन के लिए तैनात करने में 10 साल से ज्यादा का समय लग सकता है।

जंग के बीच रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने गिनाई नए साल की नई प्राथमिकताएं

मास्को(ए.)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि 2025 में रूस नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा। रूस के लोगों की भलाई के लिए काम करना हमारी प्राथमिकता है। पुतिन ने कहा कि हमने कठिनाइयों पर जीत पाई है और प्रमुख लक्ष्य हासिल किए हैं। साथ ही अपनी एकता को मजबूत किया है।

रूस के राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में देश की अर्थव्यवस्था और यूक्रेन में युद्ध को लेकर कोई विशेष वादा नहीं किया। रूस में इन दिनों लोग महंगाई से परेशान हैं। साथ ही केंद्रीय बैंक की 21 फीसदी ब्याज दर से व्यवसायियों और घर खरीदने वालों पर बोझ पड़ रहा है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि हम नए साल की दहलीज पर हैं और भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। मुझे विश्वास है सब कुछ ठीक हो जाएगा। हम केवल आगे बढ़ेंगे। हम जानते हैं कि

हमारे लिए पूर्ण मूल्य रूस का भाग्य उसके नागरिकों की भलाई था, है और रहेगा। पुतिन ने ठीक 25 साल बाद राष्ट्र को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने 1999 के आखिरी दिन बोरिस येल्तसिन के इस्तीफा देने के बाद पहली बार कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में राष्ट्र को संबोधित किया था। पुतिन ने यूक्रेन युद्ध में मरने वाले रूसी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि हमें आपके साहस और बहादुरी पर गर्व है। हमें आप पर विश्वास है।रूस और यूक्रेन की जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई थी। इस युद्ध में अब तक दोनों देशों के हजारों सैनिकों की जान जा चुकी है। अब राष्ट्रपति पुतिन कह रहे हैं कि वह यूक्रेन पर बातचीत के लिए तैयार हैं और वह इसके लिए शांति पहल का भी स्वागत करते हैं। खासकर वह पहल, जो कि वैश्विक दक्षिण और ब्रिक्स साझेदार देशों- चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लाई गई हैं।

संसद को भंग करने से समाधान के बजाय विभाजन बढ़ा : राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों

पेरिस ,(ए.)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने स्वीकार किया कि जून में फ्रांसीसी नेशनल असेंबली को भंग करने से समाधान के बजाय विभाजन अधिक पैदा हुआ।राष्ट्रपति मैक्रों ने मंगलवार रात नववर्ष की पूर्वसंध्या पर कहा, इस विघटन का उद्देश्य फ्रांसीसी लोगों को उनकी आवाज वापस देना और स्थिति को साफ करना था, लेकिन समझ और विनम्रता यह मांग करती है कि हमें यह मानना चाहिए कि इस फैसले से शांति की बजाय ज्यादा अस्थिरता हुई है और मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जून में यूरोपीय चुनावों में दक्षिणपंथी गठबंधन के हारने के बाद मैक्रों ने संसद भंग कर दी थी। उन्होंने संसदीय चुनावों की घोषणा की, जिसके परिणामस्वरूप संसद में अस्थिरता आई और प्रधानमंत्री गेब्रियल एटल को इस्तीफा देना पड़ा।मिशेल बार्नियर ने एटल का स्थान लिया, लेकिन 4 दिसंबर को अविश्वास प्रस्ताव में उन्हें हटा दिया गया। मैक्रों ने 2024 में सेवा देने वाले तीन प्रधानमंत्रियों एलिजाबेथ बोर्न, गेब्रियल एटल और मिशेल बार्नियर के प्रति आभार व्यक्त किया और बार्नियर के निष्कासन के बाद 2024 में नियुक्त चौथे प्रधानमंत्री फ्रेंकोइस बायरू को शुभकामनाएं दीं थी।यूरोप की सुरक्षा के बारे में मैक्रों ने आत्मनिर्भरता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि महाद्वीप अब अपनी सुरक्षा का जिम्मा किसी और ताकत को नहीं सौंप सकता। उन्होंने कहा, 2025 में फ्रांस को संप्रभुता सुनिश्चित करने, अपने हितों की रक्षा करने और अपने हमवतन लोगों की सुरक्षा की गारंटी देने के लिए सैन्य पुन: शस्त्रीकरण में निवेश जारी रखना चाहिए।उन्होंने यूरोप से अपनी रक्षा और सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने के प्रयासों में तेजी लाने का भी आग्रह किया। मैक्रों ने कहा, सुरक्षा के बिना समृद्धि नहीं आएगी और फ्रांस को अपनी कूटनीतिक और सैन्य शक्ति के जरिए हमेशा इस मामले में भूमिका निभानी होगी।मैक्रों ने उम्मीद जताई कि 2025 सामूहिक सुधार का वर्ष होगा, जो कार्रवाई और एकता से प्रेरित होगा, स्थिरता लाएगा, सही निर्णय लेगा और वैश्विक अस्थिरता के बीच भी फ्रांस को मजबूत करेगा।

नए साल के जश्न में मग्न थे तभी धरती के करीब से गुजरा 53 फीट का क्षुद्रग्रह

वॉशिंगटन(ए)। जब नए साल के जश्न में सभी लोग मग्न थे तभी 31 दिसंबर को एक विशाल आकार का क्षुद्रग्रह पृथ्वी के सबसे पास आ गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह दिसंबर 2024 का दूसरा अवसर था जब पृथ्वी के पास ऐसा खगोलीय घटना हुई। 53 फीट चौड़ा यह क्षुद्रग्रह 31 दिसंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 9:17 बजे पृथ्वी के पास आया। यह 28,227 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से यात्रा करते हुए पृथ्वी से 2,580,000 किलोमीटर दूर से गुजरा। यह दूरी चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी का लगभग 6.7 गुना है। नासा के सेंटर फॉर नियर-आर्थ ऑब्जेक्ट स्टडीज द्वारा 2024 एवी 2 जैसे क्षुद्रग्रहों का ट्रैकिंग किया जाता है। नासा की ग्रह रक्षा समन्वय कार्यालय के तहत 140 मीटर से बड़े खगोलीय पिंडों का पता लगाने और उन्हें ट्रैक करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। भविष्य में किसी भी टक्कर की संभावना को कम करने के लिए ऐसा किया जा रहा है।यह क्षुद्रग्रह नियर-आर्थ ऑब्जेक्ट्स श्रेणी में आता है। इनकी कक्षा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जाती है। नासा के अनुसार, 2024 एवी2 पृथ्वी के लिए कोई खतरा नहीं था। यह क्षुद्रग्रह इतना बड़ा नहीं था कि उसे खतरनाक माना जाता। नासा के मुताबिक, जो क्षुद्रग्रह 492 फीट से बड़े होते हैं और पृथ्वी के 75 लाख किलोमीटर के दायरे में आते हैं उन्हें खतरनाक माना जाता है।

श्रीलंका के सरकारी विभागों पर साइबर हमले

कोलंबो(ए.)। श्रीलंका के कई सरकारी संस्थानों को साइबर हमलों का सामना करना पड़ा है। एक पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को स्थानीय मीडिया को यह जानकारी दी।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के.बी. मन थुंगा ने कहा कि श्रीलंका पुलिस विभाग का आधिकारिक यूट्यूब चैनल हैक कर लिया गया है।मन थुंगा ने कहा कि श्रीलंका सरकार के प्रिंटिंग डिपार्टमेंट की आधिकारिक वेबसाइट को भी हैक कर लिया गया है और उसके डाटा में बदलाव किया गया है।समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि श्रीलंका कंप्यूटर आपातकालीन तत्परता टीम (एसएलसीईआरटी) और पुलिस वर्तमान में साइबर हमलों की जांच कर रही है।एसएलसीईआरटी ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी थी कि सरकारी वेबसाइटें हमलों के प्रति संवेदनशील हैं और कहा कि वह साइबर हमलों से निपटने के लिए सरकारी कर्मचारियों को शिक्षित करने के लिए कई कार्यक्रम चलाने की योजना बना रहा है।मंगलवार को एक सरकारी प्रवक्ता ने घोषणा की कि श्रीलंका के मंत्रिपरिषद ने सोमवार को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसमें सार्वजनिक संस्थानों के अंदर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए हर मंत्रालय में जांच इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव है।

न्यूयॉर्क : मेट्रो में जिंदा जलाई गई महिला की पुलिस ने की पहचान

न्यूयॉर्क, (आरएनएस)। न्यूयॉर्क शहर में ब्रूकलिन मेट्रो ट्रेन में एक हफ्ते पहले एक महिला को जिंदा जला दिया गया था। पुलिस ने मृतक महिला की पहचान कर ली है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से बताया कि पुलिस ने महिला की पहचान न्यू जर्सी के टॉम्स रिवर निवासी 61 वर्षीय देब्रिना कावम के रूप में की है। महिला कोनी आइलैंड में एक एफ ट्रेन के दरवाजे के सामने खड़ी थी, उसका शरीर आग की पलटों से घिरा था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो गया था। जिंदा जलकर महिला की दर्दनाक मौत हो गई थी। कुछ घंटों बाद, देब्रिना कावाम पर हमला करने के आरोपी सेबेस्टियन जैपेटा-कैलिल (33) पर प्रथम श्रेणी की हत्या और आगजनी का आरोप लगाया गया। ब्रूकलिन के जिला अटॉर्नी एरिक गोंजालेज ने पिछले सप्ताह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया था कि जांचकर्ता महिला की पहचान करने के लिए हर संभव तरीके का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने उसके फिंगरप्रिंट लिए और डीएनए सबूत एकत्र किए थे। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज भी एकत्र किए, ताकि आग लगने से पहले महिला के चेहरे की स्पष्ट फोटो मिल सके।

खेल समाचार

बॉक्सिंग-डे टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम पर भड़के गौतम गंभीर, खिलाड़ियों को दी चेतावनी

नईदिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को बॉक्सिंग-डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ 184 रन से हार का सामना करना पड़ा था।इस शिकस्त के चलते भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में 1-2 से पिछड़ गई है।अब खबर है कि मेलबर्न में हार के बाद भारतीय टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर खिलाड़ियों से बेहद नाखुश दिखे।उन्होंने खिलाड़ियों को जमकर लताड़ भी लगाई।

रिपोर्ट के मुताबिक, गंभीर ने बीते सोमवार को ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों से कहा, बहुत हो गया. उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वाभाविक खेल के नाम पर विकेट फेंकने वाले खिलाड़ियों की और मनमानी नहीं चलेगी। गंभीर ने किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं लिया, लेकिन संकेतों में अपना गुस्सा जाहिर किया। बता दें कि बॉक्सिंग-डे टेस्ट में भारतीय टीम के पास मैच ड्रॉ कराने का अवसर था, लेकिन बल्लेबाजों ने निरंतर विकेट खोकर मैच गंवा दिया।

जुलाई 2024 में गंभीर ने भारतीय टीम का कोच पद संभाला था। हालांकि, साल के आखिर में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को करारी शिकस्त मिली थी।ऐसे में उनके कार्यकाल में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है।अब उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को वही करना होगा, जो गंभीर चाहते हैं। अगर जो खिलाड़ी ऐसा नहीं करेंगे तो टीम प्रबंधन उनसे आगे बढ़ जाएगी।

गंभीर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए चेतेश्वर पुजारा को भारतीय टीम में चाहते थे, लेकिन चयनकर्ताओं ने इस सुझाव को खारिज कर दिया था।पुजारा ने 100 से अधिक टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।वह आखिरी बार 2023 के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद से टीम से बाहर हैं। पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया में 11 टेस्ट खेले, जिसमें 47.28 की औसत के साथ 993 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 3 शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में स्टीव स्मिथ के शतक (140) की बदौलत 474 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने नितीश रेड्डी के शतक (114) की बदौलत 369 का स्कोर बनाया।इसके बाद बढ़त हासिल करने वाली मेजबान टीम जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी (5/57) के सामने अपनी दूसरी पारी में 234 रन बनाए।जवाब में भारत का स्कोर एक समय 121/3 था। इसके बाद भारत ने आखिरी सत्र में लगभग 21 ओवर में अपने आखिरी 7 विकेट गंवाए।

सिडनी टेस्ट खेलने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे मिशेल स्टार्क : ग्लेन मैक्ग्रा

सिडनी, (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट लीजेंड और पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा को इस बात का भरोसा है स्टार पेसर मिशेल स्टार्क भारत के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में होने जा रहे सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में खेलेंगे।

यह टेस्ट दोनों टीमों के लिए काफी अहम है और ग्लेन मैक्ग्रा का मानना है कि एडिलेड टेस्ट के हीरो स्टार्क खुद को मैच फिट करने में कोई कसर नहीं छोड़ने जा रहे हैं। स्टार्क को बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान पसलियों और पीठ में दर्द की शिकायत थी।ग्लेन मैक्ग्रा ने फॉक्स क्रिकेट से बात करते हुए कहा, खेलना मिशेल के ऊपर निर्भर करेगा। वह मैदान पर आने के लिए सबकुछ करेंगे। वह इस ऑस्ट्रेलियाई टीम का अहम हिस्सा हैं, और जब वह अपने चरम पर होते हैं तो उनका मुकाबला करना बहुत मुश्किल होता है। वह बहुत शानदार गेंदबाजी भी कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह सिडनी में खेलने जा रहे हैं।इन गर्मियों में स्टार्क ऑस्ट्रेलिया के स्टार परफॉर्मर रहे हैं जिन्होंने चार टेस्ट मैचों में 28.73 की औसत के साथ 15 विकेट लिए हैं। उन्होंने मेलबर्न टेस्ट के बाद अपना स्कैन भी कराया था। रिपोर्ट बताती हैं कि स्टार्क 5वें टेस्ट मैच में तभी खेल पाएंगे जब वह दर्द को मैनेज कर पाएं। हो सकता है उनको कुछ दर्द के साथ खेलना पड़े। कुल मिलाकर टीम मैनेजमेंट को भी फैसला करना होगा कि स्टार्क मैच फिट हैं नहीं। सीरीज का पांचवां मैच पिंक टेस्ट के नाम से जाना जाता है क्योंकि इस मैच के जरिए कैंसर के प्रति जागरुकता फैलाई जाती है। इसलिए यह मैच ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट समुदाय में खास महत्व भी रखता है।

एलेक्स कैरी ने जताया मिशेल स्टार्क के पांचवां टेस्ट मैच खेलने पर भरोसा

सिडनी, (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स कैरी को भरोसा है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पांचवें टेस्ट में खेलने के लिए फिट रहेंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान पसलियों में दर्द की समस्या का सामना करना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया ने यह टेस्ट 184 रन से जीता। स्टार्क ने बॉक्सिंग डे टेस्ट पसलियों और पीठ के दर्द से जूझते हुए खेला और बाद में एहतियात के तौर पर स्कैन भी कराया। मौजूदा सीरीज में भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैचों में उन्होंने कुल 131.2 ओवर फेंके हैं। कैरी ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, वह सबसे मजबूत क्रिकेटरों में से एक हैं। वह दर्द के बावजूद मैदान पर डटे रहते हैं। लेकिन वह मुकाबले के लिए तैयार रहेंगे।हालांकि, चौथे टेस्ट में स्टार्क ने केवल एक विकेट लिया, लेकिन यह विकेट भारत की दूसरी पारी में विराट कोहली का था, जो काफी अहम था। कैरी ने उनकी गेंदबाजी की तारीफ करते हुए कहा, पहले स्पैल में भले ही उन्हें ज्यादा विकेट नहीं मिले, लेकिन यह इस सीरीज में उनकी सबसे बेहतरीन गेंदबाजी थी। अब उनके पास टीम को टेस्ट जिताने का शानदार मौका है, और वह इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) टेस्ट के दौरान आमतौर पर बारिश होती है, लेकिन इस साल मौसम थोड़ा बेहतर है। चौथे और पांचवें दिन हल्की बारिश की संभावना है। पिच के बारे में बात करते हुए कैरी ने कहा, यह विकेट अच्छी टेस्ट मैच पिच लग रही है। शुरुआत में इसमें गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। इस पर घास का अच्छा कवरेज है।

ऑस्ट्रेलिया फिलहाल सीरीज में 2-1 से आगे है और इस बार्डर-गावस्कर ट्रॉफी को 10 साल बाद जीतने के लिए उन्हें सिर्फ ड्रॉ की जरूरत है। वहीं, भारत को सीरीज बचाने के लिए सिडनी में जीत दर्ज करनी होगी।

कैरी ने आगे कहा, हम बहुत आगे का नहीं सोच सकते। भारत एक बहुत ही मजबूत टीम है और उनके पास बेहतरीन खिलाड़ी और टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज हैं। हमारी टीम का ध्यान सिर्फ अगले मैच पर है। अगर हम ट्रॉफी जीतते हैं तो यह शानदार होगा। सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होगा।

हेड ने अपने अजीब जश्न को लेकर सफाई दी

मेलबर्न (ए)। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भारतीय टीम के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऋषभ पंत को आउट करने के बाद अपने अजीब से जश्न को लेकर सफाई दी है। हेड के इस जश्न को लेकर कई लोगों ने हैरानी जतायी थी। वहीं कई लोगों ने इसे विवादित बताते हुए सवाल भी उठाये थे। साथ ही कइने कहा कि यह बर्फ पर अंगुली का संकेत था। साथ ही कहा कि यह अजीब इशारा उन्होंने पहली बार श्रीलंका दौरे में दिखाया था। इस मैच में ऋषभ जब अच्छी बल्लेबाजी करने लगे थे और मैच को ड्रॉ कराने की ओर बढ़ रहे थे। तभी हेड ने उन्हें आउट कर मैच का रुख ही मोड़ दिया। भारतीय बल्लेबाज ने पुल शॉट खेलने का प्रयास किया था जिसपर वह कैच हो गये थे। इसके बाद हेड ने अपने बाएं हाथ की अंगुलियों को एक मोड़कर और दाहिने हाथ की तर्जनी अंगुली को उसमें डुबाकर इस क्षण का जश्न मनाया। हेड ने मेलबर्न टेस्ट के बाद कहा, 'फिंगर ऑन द आइस। मैंने इसकी शुरुआत श्रीलंका में की। मैं अपनी अंगुली बर्फ पर रखी और गेंदबाजी के लिए तैयार हुआ। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से जब हेड के इस अजीब से जश्न को इसके बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा, 'मैं इसे समझा सकता हूं। उसकी अंगुली इतनी गर्म है कि उसे इसे एक कप बर्फ में डालना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया का भी डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना अभी तक पक्का नहीं

मेलबर्न (ए)। बॉक्सिंग डे टेस्ट में हार से जहां भारतीय क्रिकेट टीम के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम पर खतरा अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। अगर भारत सिडनी में ऑस्ट्रेलिया को ड्रॉ पर रोक देता है और उसके बाद श्रीलंका सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को दोनो ही टेस्ट में हरा देती है तो श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी और ऑस्ट्रेलिया बाहर हो जाएगी।मेलबर्न में हार से भारतीय टीम के अंक प्रतिशत तालिका में 55.89 से गिरकर 52.78 हो गए है जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम पर अब 61.46 प्रतिशत अंक हैं।वहीं पाकिस्तान पर जीत से दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारतीय टीम अगर सिडनी में जीत दर्ज करती है तो उसके 55.26 प्रतिशत अंक हो जाएंगे और ऑस्ट्रेलिया के 54.26 प्रतिशत अंक रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया अगर श्रीलंका में एक भी टेस्ट जीत लेता है तो उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से टक्कर तय हो जाएगी। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया की जीत ने उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को बढ़ाया है और टीम अगले साल लार्ड्स में होने वाले फाइनल में जगह बनाने से केवल एक जीत दूर है।

भारतीय टीम ने 2024-25 सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए बांग्लादेश को स्वदेश में 2-0 से हराया था। इसके बाद हालांकि भारत का अभियान पटरी से उतर गया। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ स्वदेश में तीन मैच की श्रृंखला में 0-3 से करारी का सामना करना पड़ा और अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम 1-2 से पिछड़ रही है। रोचक बात यह है कि सिर्फ भारत के ऊपर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से बाहर होने का खतरा नहीं है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया भी बाहर हो सकता है।

यूपी फाल्कन्स ने चंडीगढ़ चार्जर्स के खिलाफ फाइनल में जगह पक्की की

कोयंबटूर, (आरएनएस)। युवा कबड्डी सीरीज के डिवीजन 2 का फाइनल करीब आ रहा है। यूपी फाल्कन्स ने शानदार प्रदर्शन कर टॉप स्थान पर कब्जा जमाया और चंडीगढ़ चार्जर्स के खिलाफ फाइनल में जगह पक्की कर ली।

डिवीजन 2 का नौवां दिन करपगम एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, कोयंबटूर में खेला गया। दिनभर की टक्कर में टीमों ने जोरदार प्रदर्शन किया।

पहले मैच में यूपी फाल्कन्स ने दिल्ली धुरंधरों को 48-38 से हराया। इस जीत के साथ यूपी फाल्कन्स ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। साथ ही वे टेबल में टॉप स्थान कब्जाने में भी कामयाब रहे।

रचित यादव ने सुपर 10 करते हुए मैच पलट दिया। जबकि नवनीत नागर और आयुष कुमार ने हाई-5 स्कोर किए।

दिल्ली की तरफ से शुभम भिडुरी ने 11 पॉइंट और विनोद पाल ने बेंच से हाई-5 किया, लेकिन टीम का प्रदर्शन कमजोर रहा।

दूसरे मुकाबले में हम्पी हीरोज ने पंचाला प्राइड को 46-21 से हराया। पंचाला प्राइड पूरे डिवीजन में एक भी मैच नहीं जीत पाई। हम्पी के चेतन जांगमा और करुपसागर डी ने 11-11 रेड पॉइंट जुटाए। दर्शन आर ने शानदार डिफेंस करते हुए हाई-5 स्कोर किया।

विविध-समाचार

योगासन चैंपियनशिप आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। भुवनेश्वर उड़ीसा में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी योगासन चैंपियनशिप आयोजित हुई। जिसमें नर्मदापुरम के देवराज सिंह राजपूत के प्रतिनिधित्व करने पर पतलई कलां में अंतर्राष्ट्रीय मानस प्रवक्ता अंजलि आर्या द्वारा सम्मानित किया गया। योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन नर्मदापुरम के अध्यक्ष योगाचार्य रघुवीर सिंह राजपूत एवं आचार्य धुरंधर शर्मा आरसी मेहरा संतोष सिंह राजपूत रमेश सिंह राजपूत द्वारिका सिंह राजपूत अतुल सिंह अभय सिंह सौरभ सिंह सुनील सिंह अनिल सिंह सहित फेडरेशन के सभी पदाधिकारी सदस्यो एवं सभी ग्राम वासियों शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

सुबह से दोपहर तक छाया रहा कोहरा कड़ाके की ठंड से कांपा नर्मदांचल

नर्मदापुरम(निप्र)। समूचे नर्मदांचल में इन दिनों कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। नए साल के पहले दिन बुधवार को नर्मदाचंल में सुबह से लेकर दोपहर तक हल्का कोहरा छाया रहा। कड़ाके की ठंड के साथ सुबह की शुरुआत हुई। नर्मदापुरम में 24 घंटे में 1.7 डिग्री रात का तापमान गिरा। यहां न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री रहा। दिन में भी ठंड जारी रही। दोपहर बाद धूप निकली वह भी कमजोर रही। पिछले सप्ताह कम ठंड थी बारिश के बाद बादल हटते ही ठंड ने जोर पकड़ लिया है।

राष्ट्रगीत ''वन्देमातरम'' एवं राष्ट्रगान ''जन गण मन'' का गायन आज

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री माननीय डॉ मनमोहन सिहं जी का निधन होने पर 26 दिसम्बर 2024 से 01 जनवरी 2025 तक राजकीय शोक घोषित किया गया। जिस कारण प्रतिमाह के प्रथम कार्य दिवस पर आयोजित राष्ट्रगीत ''वन्देमातरम्र'' एवं राष्ट्रगान ''जन गण मन'' गायन 01 जनवरी 2025 के स्थान पर 02 जनवरी गुरूवार को पूर्व निर्धारित समय पर आयोजित किया जाएगा।

बी.टी.आई. उपकेन्द्र का मैंन्टेनेंस के चलते आज विद्युत आपूर्ति रहेगी बन्द

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रबंधक (शहर) जोन-1, म.प्र.म.क्षे.वि.वि.कं.लि. नर्मदापुरम ने बताया कि गुरूवार 02 जनवरी 2025 को 11:00 बजे से 02:00 बजे तक बी.टी.आई. उपकेन्द्र का मैंन्टेनेंस किया जाना है। जिसके चलते विभिन्न क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 33/11 केव्ही सबस्टेशन, बी.टी.आई. सबस्टेशन अंतर्गत प्रभावित क्षेत्र ईदगाह, खोजनपुर गाँव, कब्रस्तिान, श्रीगुंज गार्डन के पीछे, जुमराती, कालीमंदिर, राजा मोहल्ला, बी.टी.आई, भीलपुरा, बसंत टाकीज, कोरी मोहल्ला, गुरूकुल, फूटा कुआ, राठौर मार्ग, बालागंज, रविशंकर मार्केट, लेंडिया मैदान एवं अन्य संबंधित क्षेत्र में विद्युत लाईन बन्द रहेगी।

नेहरु पार्क आदमगढ़ की पहाड़िया पर दिन भर लगा रहा तांता,बच्चे और महिलाओं में रही उमंग

नर्मदापुरम (निप्र)। नव वर्ष के मौके पर पिकनिक स्पाटों पर दिन भर तांता लगा रहा। बच्चों के साथ परिजन शहर से दूर स्थित पिकनिक स्पाट की ओर रवाना हो रहे थे। शहर के बीचों-बीच स्थित नेहरु पार्क में पूरे दिन हुजुम लगा रहा। नेहरू पार्क शहर के पास होने से यहां पर सबसे ज्यादा लोग सपरिवार आए। हर वर्ष की तरह यहां सुबह से ही लोग पार्क में जाने के लिए पहुंच गए। नया वर्ष पिकनिक स्पाट पर मनाने के लिए निकले लोगों में से कोई खर्राघाट तो कोई आदमगढ़ की पहाड़िया पर भी पहुंचे।

बच्चों में विशेष उत्साह रहा

नया वर्ष मनाने के प्रति बच्चों में विशेष उत्साह रहता है। इसी कारण उनकी मां भी साथ में पहुंची। युवा वर्ग भी कहां मानने वाले थे। वह भी मौज मनाने के लिए पिकनिक स्पाट की ओर पहुंच रहे थे। प्रमुख स्थानों पर सुबह से शाम तक लोग आते जाते रहे।

घर की खाद्य सामग्री लेकर पहुंचे

पिकनिक स्पाट पर पूर्व में मेला जैसा लगता था इस बार भी अनेक खाद्य सामग्री की दुकाने लगी हुई थी। लेकिन ज्यादातर लोग बाहर की वस्तु खाने से

बचते हुए अपने घर बनी हुई सामग्री लेकर ही पहुंचे थे। कुछ लोग बाहर की वस्तु भी खरीद रहे थे।

पहाड़िया वालों को हुई आय

पुरातत्व विभाग की आदमगढ़ की पहाड़िया के शैलाश्रय व शैलचित्र देखने वाले नागरिकों से टिकिट लेकर पहाडिया की गुफाओं का अवलोकन किया। पहाड़िया के प्रभारी ने बताया कि पुरातत्व विभाग को अन्य दिनों की तुलना में 10 गुना ज्यादा लाभ हुआ नव वर्ष के प्रथम दिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

पर्यटन संबंधी व्यवस्थाएं बढ़ाई जाएं

पहाड़िया पर परिजन के साथ पहुंचे दिनेश कुमार तिवारी ने कहा कि आदमगढ़ में आदि मानव रहते थे। यह स्थान प्राचीन काल से आकर्षक है इसलिए इसे पर्यटन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। सेवानिवृत्त किशोर उमरे ने कहा कि शासन प्रशासन को इस क्षेत्र में विकास कराते हुए पर्यटन के लिए तैयार करना चाहिए।

अन्य स्थानों पर भी रही भीड़

नव वर्ष के उपलक्ष्य में आसपास के प्रमुख पिकनिक स्पाटों जिनमें हिंगलाज देवी मंदिर, खर्राघाट, बांद्राभान, भीलटदेव, के अलावा कई लोग देवी धाम सलकनपुर, तिलक सेंदुर, तवा नगर तो कुछ लोग पचमढ़ी तक पहुंचे हैं। कई लोग नर्मदा तट के घाटों पर भी पहुंचते रहे। खासकर बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह बना रहा।

सीवरेज की पाईप लाइन के चेंबर के गड्ढे बन रहे परेशानी का कारण

नर्मदापुरम(निप्र)। दो साल से नगर में सीवरेज की पाईप लाइन डाली जा रही हैं जिसमें सड़को के बीच से खोदा जा रहा है। सड़कों की खुदाई के दौरान कई जगह चेम्बर के लिए 6 फिट चोंड़े ओर 6 फिट गहरे गड्ढे भी खोदे गए हैं वही जो पाईप लाइन के 2 फिट चोंड़े ओर 4 फिट गहरे गड्ढे हैं जिनमे पानी भी भरा हुआ है। अनेक मोहल्ले के नागरिकों ने बताया कि गड्ढे खोद हुए कई कई दिन हो जाते हैं आधा अधूरा काम किया जाता है। जिन क्षेत्रों में सड़कों की खुदाई का कार्य चलता है वहां के लोगों को अपने ही घर तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। इन गड्ढे वाली सड़कों पर कोई ढंग का कार्य नहीं होता है। कई लोगों को इन सड़कों पर परेशानी हो रही है। आवागमन मुश्किल हो रहा है। कार्य के दौरान एक गरीब मजदूर की मौत हो गई। अनेक वाहन फंस चुके हैं। पूर्व में 3 गायें भी गिर चुकी है। सबसे लापरवाही की बात तो यह है कि काम बहुत ही धीमी गति से चल रहा है। फिर भी जनप्रतिनिधि कहलाने वालों के मुंह सिले हुए हैं। शहर में हजारों की संख्या में गड्ढे हो गए हैं। जिन्हें सुधारने की तरफ ठेकेदार का ध्यान ही नहीं है। वर्ष भी बीत चुका है। प्रशासन भी इस कार्य की मानिटरिंग नही कर रहा। प्रशासन शायद कोई बड़े हादसे का इन्तजार कर रहा है।

पतली पाइप लाइन रूलाएगी नागरिकों को

आने वाले समय में ठेकेदार तो भुगतान लेकर भाग जाएगा। लेकिन जब पाइप लाइन चौक होगी तो सड़कों पर गंदगी का अंबार लगेगा। फिर आवागमन दूभर होगा। शहर वासियों को यह बेतुकी बेढंगी योजना के तहत बन रही सीवरेज लाइन परेशानी का कारण बनकर बार बार रूलाएगी। प्रशासन शासन में बैठे लोग ठेकेदार से डरे हुए हैं। उसकी मनमानी को शहर कठिनाईयों के साथ भुगत रहा है।

शिवशक्ति कम्पनी द्वारा किया गया किसान सम्मेलन का आयोजन

सीहोर(निप्र)। ग्राम सिंहपुर जिला सीहोर में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। किसानों का कम खर्च में अच्छा उत्पादन प्राप्त हो उसके लिये जागरूक किया गया, किसानों को शिवशक्ति एग्रीटेक लिमिटेड के द्वारा जैविक खाद जैसे विग 99-999, खास, सीएमएस, आदि प्रोडक्ट खेत में डालने के लिये जागरूक किया गया, जिससे कि किसानों का खेत में खर्च भी कम हो और उत्पादन भी अधिक प्राप्त करने के लिये प्रेरित किया गया।

कृषि उपज मंडी में इलेक्ट्रॉनिक मण्डी का हुआ शुभारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश की ब श्रेणी की कृषि उपज मण्डियों में 01 जनवरी 2025 से ई.मण्डी लागू किए जाने के सबंध में मण्डी बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम के दिशा निर्देशों के पालन में कृषि उपज मण्डी समिति नर्मदापुरम के कर्मचारियों द्वारा विगत 15 दिनों से ई.मण्डी के संबंध में निरंतर कार्यवाही की जा रही थी। जिसका शुभारंभ 01 जनवरी से हो गया है। मण्डी को इलेक्ट्रॉनिक मण्डी पोर्टल पर संचालित की जाने लगी है। इलेक्ट्रॉनिक मण्डी संचालन का शुभारंभ मध्य प्रदेश तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मण्डी सचिव एके परिहार ने संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया। श्री शर्मा द्वारा ई.मण्डी प्रणाली को किसानों के हित में होना बताया। किसान स्वयं मण्डी की प्रवेश पर्ची जारी कर सकते हैं और नीलामी उपरांत अनुबंध, तौल सहित भुगतान पत्रक ऑनलाईन जारी हो सकेगा। ई.मण्डी पोर्टल से पहली नीलाम पर्ची पीयूष शर्मा द्वारा जारी की गई इस अवसर पर मण्डी सचिव एके परिहार, व्यापारी अजय खन्ना, सर्वेश राठौर, हरी मीना, प्रेम माखीजा सहित विक्रम सिंह राजपूत, किसान कन्हैयालाल वर्मा, ईश्वर सिंह, नर्मदा प्रसाद इत्यादि किसान व्यापारी, हम्माल तुलैया, मण्डी कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम उपरांत लेखापाल विनोद रैकवार ने आभार व्यक्त किया।

ऊर्जा हानियों का स्तर कम किया जाए: प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल

नर्मदापुरम(निप्र)। ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। ऊर्जा ने विभिन्न रूपों में हमारी जीवन-शैली में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। इन विभिन्न रूपों में बिजली, ऊर्जा का वह प्रकार है जो सुगमता से उपलब्ध है। यही कारण है कि ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोतों को भी बिजली में बदलकर उसका उपयोग प्रकाश, यातायात, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, कृषि जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के साथ मनोरंजन, दूरसंचार एवं पर्यटन जैसे सुख-साधन में भी किया जा रहा है। यह संदेश मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिक्ष सिंघल ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए जारी किया है। प्रबंध संचालक ने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में हमारी जीवन-शैली में तेजी से बदलाव हो रहा है। उदाहरण के रूप में जो काम हम दिन के उजाले में सरलता से कर सकते हैं उन्हें भी हम देर रात तक बिजली की व्यवस्था करके करते हैं। और तो और हम अपने कार्यालयों में इस प्रकार बदलती जा रही है कि ऊर्जा की मांग भी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है।प्रबंध संचालक ने बताया है कि ऊर्जा बचत और ऊर्जा दक्षता के लाभों को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न उपाय लागू करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। भारत शासन के ऊर्जा मंत्रालय के अधीन स्वायत्तशासी निकाय ''ऊर्जा दक्षता ब्यूरो'' ने विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा बचत को ध्यान में रखते हुए योजनाएं प्रारंभ की हैं। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा विभिन्न उपकरणों में ऊर्जा दक्षता की रेटिंग के लिए बीईई स्टार लेबल जारी किए हैं। यह स्टार लेबल ऊर्जा दक्षता के रेटिंग के मानकीकरण और मानक परीक्षण परिस्थितियों में ऊर्जा की खपत को इंगित करने के लिए बनाये गये हैं। रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर तथा अन्य ऊर्जा उपकरण खरीदते समय आपने इन बीईई स्टार लेबल को अवश्य देखा होगा, 5 स्टार का मतलब सबसे अधिक ऊर्जा दक्ष उपकरण और उससे कम स्टार पर उससे कम दक्ष उपकरण। अधिक ऊर्जा दक्ष उपकरण से ऊर्जा खपत में अधिक कमी कर धनराशि को बचाया जा सकता है। प्रबंध संचालक ने सोलर रूफटॉप को बढ़ावा देने और सौर ऊर्जा का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए आमजन से अपील की है कि वे पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घरों पर सोलर लगवाएं और एक किलोवाट सोलर संयन्त्र पर 30 हजार रूपये, दो किलोवाट सोलर संयन्त्र पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवाट या उससे अधिक 10 किलोवॉट तक अधिकतम 78 हजार रूपये तक की सब्सिडी का लाभ उठाएं। श्री सिंघल ने बिजली उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे बिजली की जरूरत से संबंधित घरेलू कामकाज जिनमें वॉशिंग मशीन, प्रेस इत्यादि उपकरणों का उपयोग होता है को सोलर ऑवर्स सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे के बीच निपटा लें जिससे बिजली की बचत के साथ ही पर्यावरण को भी लाभ होगा।

नूतन वर्ष पर बंदियों को वितरित की आध्यात्मिक सत्साहित्य

बैतूल(निप्र)। जिला जेल बैतूल में नूतन वर्ष 2025 की शुरुआत बंदियों को आध्यात्मिक सत्साहित्य वितरित कर की गई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक मलकापुर रमेश वर्मा द्वारा बंदियों को कुत्सित विचारों को त्याग कर सद्विचारों को अपनाने, जीवन में आध्यात्म एवं ईश्वर प्राप्ति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। जेल अधीक्षक योगेन्द्र कुमार तिवारी ने बंदियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए नव वर्ष की शुरुआत जीवन में सकारात्मकता के साथ करने एवं सत्कर्मों के नये संकल्पों के साथ जीवन पथ पर उन्नति की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक, जिला जेल हरी सिंह लोधी ने किया गया।

हिमांशु ने पशु आहार निर्माण का व्यवसाय शुरु किया, घर में आई खुशहाली

हरदा(निप्र)। हरदा 1 जनवरी 2025/ उद्यानिकी विभाग की ''प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना'' के तहत ऋण लेकर हरदा जिले के टिमरनी विकासखण्ड के ग्राम सोडलपुर निवासी हिमांशु पटेल ने पशु आहार तैयार करने का व्यवसाय प्रारम्भ किया, जिससे भरपूर आय होने लगी है और हिमांशु आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो गया। अब उसका परिवार बहुत खुश है।सोडलपुर निवासी हिमांशु पटेल पढ़ाई लिखाई पूरी करने के बाद स्वयं का व्यवसाय स्थापित करना चाहते थे लेकिन पूंजी के अभाव में ऐसा नहीं कर पा रहे थे। खेती किसानी और पशुपालन की पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण वो इसी क्षेत्र से जुड़ा व्यवसाय शुरू करना चाहते थे। उद्यानिकी विभाग की ''प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना'' के तहत हिमांशु ने ऋण के लिये आवेदन कर दिया। कुछ ही दिनों में पशु आहार तैयार करने के व्यवसाय के लिये परियोजना लागत 12.50 लाख रूपये का ऋण स्वीकृत हो गया, जिसमें 4.37 लाख रूपये की अनुदान राहत उन्हें मिल गई। पशु आहार तैयार कर पेकिंग में विक्रय होने लगा और धीरे-धीरे व्यवसाय स्थापित हो गया। अब हिमांशु पशु आहार के इस व्यवसाय से सभी खर्चे निकालकर हर माह लगभग 50-60 हजार रूपये महीना आसानी से कमा लेता है, जिससे परिवार का पालन पोषण अच्छी तरह हो जाता है।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हितग्राहियों के लिए मानक प्रक्रिया एवं आवश्यक निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी आयुष्मान भारत योजना डॉ. योगेश भरसट ने आयुष्मान भारत योजना में हितग्राहियों को निशुल्क उपचार प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं और निर्देशों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इन प्रक्रियाओं और निर्देशों का पालन करके हितग्राही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत नि:शुल्क उपचार का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकते हैं। हितग्राही अस्पताल पहुँचने के बाद सबसे पहले आयुष्मान योजना के लिए पंजीकृत कियोस्क का पता करें और अपने दस्तावेज़, जैसे आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी, पात्रता पर्ची, संबल कार्ड या कार्ड को आयुष्मान मित्र को दिखाएं। पात्रता सत्यापन के दौरान आयुष्मान मित्र आपके आयुष्मान कार्ड और आधार/समग्र आईडी का मिलान करेगा और उपचार के लिए अस्पताल की पात्रता सुनिश्चित करेगा। सत्यापन के बाद, आयुष्मान मित्र आपको नि:शुल्क उपचार की प्रक्रिया समझाएगा और चिकित्सीय परामर्श तथा उपचार की प्रक्रिया शुरू होगी।उपचार के दौरान हितग्राही को किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं

उपचार के दौरान हितग्राही को किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी उपकरण, दवा या सेवा के लिए अस्पताल द्वारा अतिरिक्त राशि चार्ज की जाती है, तो हितग्राही को तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर इसकी जान कारी देनी चाहिए। उपचार पूरा होने के बाद डिस्चार्ज के समय निल (शून्य बकाया) राशि का बिल प्राप्त करना सुनिश्चित करें और अस्पताल से मंगलकामना पत्र लेना न भूलें।एनएचए हेल्पलाइन नंबर 14555, एसएचए मध्यप्रदेश हेल्पलाइन नंबर 18002332085 पर कर सकते हैं शिकायत हितग्राही से अपेक्षा की जाती है कि वे उपचार के बाद फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें और हस्ताक्षर करें। यदि किसी स्तर पर अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है या किसी प्रकार की असुविधा होती है, तो हितग्राही को तुरंत

NHA हेल्पलाइन नंबर 14555 या SHA मध्यप्रदेश हेल्पलाइन नंबर 18002332085 पर शिकायत दर्ज करायें।

हितग्राही को क्या करना है

हितग्राही को चाहिए कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे आयुष्मान कार्ड, पात्रता पर्ची, आधार कार्ड, राशन कार्ड और समग्र आईडी अपने साथ रखें। अस्पताल पहुँचते ही आयुष्मान कियोस्क पर जाएं और आयुष्मान मित्र से अपनी पात्रता की पुष्टि करवाएं।

यह सुनिश्चित करें कि अस्पताल आपकी बीमारी से संबंधित स्पेशलिटी के लिए पैनल में शामिल है। पात्रता की पुष्टि होने के बाद नि:शुल्क उपचार प्रक्रिया को समझें और उसका पालन करें। डिस्चार्ज के समय निल (शून्य बकाया) राशि का बिल प्राप्त करें और फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें। साथ ही, अस्पताल से मंगलकामना पत्र लेना न भूलें।

हितग्राही को क्या नहीं करना है

हितग्राही को कभी भी आवश्यक दस्तावेजों को अस्पताल ले जाना नहीं भूलना चाहिए। नि:शुल्क उपचार के दौरान किसी भी परिस्थिति में अस्पताल को अतिरिक्त राशि का भुगतान न करें। यदि किसी विशेष परिस्थिति में राशि मांगी जाती है, तो उसकी उचित रसीद प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

नववर्ष के उपलक्ष्य में पूर्व नपाध्यक्ष राकेश राय ने जरूरतमंदों को अनाज वितरण किया

सीहोर (निप्र)। बुधवार को हर साल ही तरह इस साल भी नववर्ष के उपलक्ष्य में नपा के पूर्व अध्यक्ष राकेश राय ने अनाज वितरण किया। श्री राय नव वर्ष का स्वागत विशेष अंदाज में करते है और पिछले 25 सालों से गरीबों को अनाज का वितरण आ रहे हैं। इस साल भी श्री राय ने स्टेट बैंक के सामने स्थित अपने कार्यालय से गरीबों को अनाज का वितरण किया सुबह 11 बजे आयोजित कार्यक्रम में अनाज का वितरण शुरू हुआ जो काफी देर तक चलता रहा। जरूरतमंद और गरीबों को पांच-पांच किलो के गेहूं के पैकेट प्रदान किए गए। नव वर्ष के पहले दिन अनाज वितरण भिक्षा मांगने वालों को किया गया। पूर्व में श्री राय ने निर्धन विद्यार्थियों को कापी किताब कई बार वितरित किए। उनकी यह निस्वार्थ समाजसेवा पूरे साल जारी रहती है। जानकारी के अनुसार बुधवार को सुबह ग्यारह बजे हर साल की तरह यह आयोजन शहर के मेन रोड स्थित श्री राय के कार्यालय पर किया गया था। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में जरूरतमंदों को क्रमानुसार अनाज का वितरण किया गया। इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि घनश्याम यादव, बहादुर सिंह दांगी, नरेन्द्र खंगराले, पवन राठौर, महेन्द्र सिंह ठाकुर मनकी, धर्मेन्द्र यादव, एआर शेखमुंशी, गोविन्द शर्मा, पवन अरोरा, नावेद जाफरी, दीलिप गांधी, मनोज दीक्षित मामा आदि शामिल थे।

कब तक रहोंगे अंग्रेजों के गुलाम - मुनि श्री निर्णय सागर जी

सीहोर (निप्र)। हमारे देश को यूं तो आजाद हुए लगभग 77 वर्ष हो गये है लेकिन आज भी सांस्कृतिक दृष्टि से अंग्रेजों के गुलाम बने हुए हैं। बताओ बंधुओं आप कब तक रहोगे अंग्रेजों के गुलाम उक्त उदगार मुनि श्री निर्णय सागर जी महाराज ने श्रीं पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रवचन के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आगे कहां कि भारतीय संस्कृति में गुड़ीपड़मा(चैत्र शुक्लपक्ष एकम अथवा दीपावली, व कार्तिक कृष्णा अमावस्या नया वर्ष होता है। इन तिथियों को तो आप प्राय: भूल गये है। और 1 जनवरी को NEW YEAR नया वर्ष का उत्सव मनाने लगे हैं। यह बड़ी विडम्बना है कि भारत देश में रक्षाबन्धन दीपावली अक्षयतृतीया पर्व फीके पड़ते जा रहे हैं। और न्यू इयर, बर्थडे, एनिवर्सरी ,वेलेन्टाइन डे जैसे गन्दे प्रसंगों को पर्व के रुप में मानने लगे है। बच्चों को हिंदी माध्यम से पढ़ाना अच्छा नहीं मानते है। अंग्रेजी स्कूल अग्रेजी माध्यम ही आप उत्तम LGRIMIK HIKE, मान रहे हैं। 1880 में ब्रिटेन की रानी एलिजाबेथ ने लार्ड मेकालो को भारत भेज कर सर्वे कराया कि हम भारत को कब तक गुलाम बनाकर रख सकते हैं। तब लार्ड मैकाले ने अपने पिता को लिखे पत्र में कहा था कि भारतीय लोगों की साँस्कृतिक जड़े बड़ी मजबूत हैं। यहाँ सबका विश्वास भगवान में रहता है। यहाँ के साधू संत बड़े ज्ञानी तपस्वी हैं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com